

ज्वाला एक्सप्रेस न्यूज



आर.एन.आई. नं. :- CHHHIN/2021/82386

सच्ची खबर सबसे पहले

online- jwalaexpress.com

वर्ष - 05, अंक -20

दुर्ग (छ.ग.), दिनांक 15 जनवरी से 21 जनवरी 2026 (प्रत्येक गुरुवार)

पृष्ठ - 8, मूल्य - 05 रुपए

बालोद के ग्राम दुधली में प्रथम राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी का भव्य एवं ऐतिहासिक समापन

स्काउट एक जीवन पद्धति है, जो हमें चुनौतियों से जूझना सिखाती है - मुख्यमंत्री साय

रायपुर (ज्वाला एक्सप्रेस)। स्काउट जीवन जीने की एक पद्धति है, जो व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों में भी आत्मनिर्भर बनाना, टीम भावना से कार्य करना और समाज के लिए समर्पित रहना सिखाती है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज बालोद जिले के ग्राम दुधली में आयोजित प्रथम राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी के भव्य समापन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने देश के विभिन्न राज्यों से पधारे रोवर-रेंजरों एवं स्काउट-गाइड्स का भगवान श्रीराम के ननिहाल और माता शबरी की तपोभूमि छत्तीसगढ़ में आत्मीय अभिनंदन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह जंबूरी केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की विविधता में एकता का जीवंत उत्सव है।

युवा ही राष्ट्र का भविष्य, स्काउटिंग से मिलती है नेतृत्व की शक्ति

मुख्यमंत्री श्री साय ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा ही राज्य और देश का



भविष्य हैं। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के प्रेरक वाक्य उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए का उल्लेख करते हुए युवाओं को आत्मविश्वास और संकल्प के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि स्काउट-गाइड संगठन द्वारा सिखाए गए अनुशासन, सेवा-भाव, नेतृत्व और

टीमवर्क जैसे मूल्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए तैयार करते हैं। मुख्यमंत्री ने कोरोना काल में स्काउट-गाइड्स द्वारा किए गए सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने समाज को जागरूक और सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'बाल

विवाह मुक्त भारत अभियान' के तहत उपस्थित युवाओं को शपथ भी दिलाई।

15 हजार से अधिक रोवर-रेंजरों की सहभागिता से ऐतिहासिक बना जंबूरी

09 से 13 जनवरी तक आयोजित इस पांच

‘एक भारत-श्रेष्ठ भारत’ की सजीव झलक बनी राष्ट्रीय जंबूरी

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देश में पहली बार इस स्तर की राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी का आयोजन होना और उसके लिए छत्तीसगढ़ का चयन होना पूरे राज्य के लिए गौरव की बात है। यह आयोजन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को साकार करता है। उन्होंने कहा कि विभिन्न राज्यों के रोवर-रेंजरों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, झांकियों और गतिविधियों के माध्यम से भारत की समृद्ध विविधता को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

दिवसीय जंबूरी में देश-विदेश से 15 हजार से अधिक रोवर-रेंजरों ने भाग लिया। समापन समारोह के दौरान देशभर से आए प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने पूरे वातावरण को भारतीय कला, संस्कृति और सौहार्द से सराबोर कर दिया। विशाल जनसैलाब की उपस्थिति ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। स्कूल शिक्षा मंत्री एवं स्काउट-गाइड के राज्य अध्यक्ष श्री गजेंद्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय के मार्गदर्शन में यह राष्ट्रीय जंबूरी सफलतापूर्वक संपन्न हुई। उन्होंने बताया कि जंबूरी के दौरान युवा संसद, कौशल प्रदर्शन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आदिवासी एथनिक फैशन शो जैसे कार्यक्रमों ने युवाओं को नई दृष्टि और मंच प्रदान किया। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव को राष्ट्रीय मुख्य

आयुक्त डॉ. के. के. खंडेलवाल द्वारा सिल्वर एलीफेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

सेवा, समर्पण और सहभागिता से बनेगा श्रेष्ठ भारत

भारतीय स्काउट-गाइड के राष्ट्रीय मुख्य आयुक्त डॉ. के. के. खंडेलवाल ने कहा कि स्काउटिंग का मूल मंत्र है, अपने कार्यों से दूसरों का भला करना। उन्होंने कहा कि परंपरा और आधुनिकता का संतुलन तथा सेवा-भाव ही एक सशक्त और विकसित राष्ट्र की नींव रखता है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य बीज निगम के अध्यक्ष श्री चंद्रहास चंद्राकर, छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री भारत मटियारा सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

माइनिंग डंप में हरित क्रांति- कोरबा गांधीसागर डंप क्षेत्र में सफल वृक्षारोपण

एसईसीएल और वन विकास निगम की संयुक्त पर्यावरणीय पहल

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के औद्योगिक वृक्षारोपण मंडल, कोरबा द्वारा माइनिंग डंप क्षेत्रों में किया जा रहा वृक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण का एक सफल और प्रेरक उदाहरण बन गया है। औद्योगिक वृक्षारोपण का मुख्य उद्देश्य खदानों से होने वाले भूमि क्षरण, प्रदूषण, जैव विविधता की हानि और मिट्टी कटाव जैसी पर्यावरणीय समस्याओं को कम करना है। साथ ही उजड़े हुए क्षेत्रों में हरित आवरण बढ़ाकर स्थानीय लोगों के लिए रोजगार भी सृजित किए जा रहे हैं।

डंप क्षेत्र को हरे-भरे जंगल में बदलने की पहल

कोयला खदानों के दौरान बड़ी मात्रा में मिट्टी, मुरुम, पथर और अपशिष्ट पदार्थ निकालकर डंप में जमा किए जाते हैं। इन क्षेत्रों में प्राकृतिक मिट्टी की कमी, कम उर्वरता और कम नमी के कारण वृक्षारोपण चुनौतीपूर्ण होता है। इसके बावजूद निगम



द्वारा डंप पर 20-30 सेमी उपजाऊ मिट्टी बिछाकर रोपण के लिए उपयुक्त वातावरण तैयार किया गया।

गांधीसागर डंप- जैव विविधता में उल्लेखनीय सुधार

औद्योगिक वृक्षारोपण मंडल, परिक्षेत्र कोरबा में वर्ष 2019 में गांधीसागर डंप क्षेत्र

का चयन किया गया। कुल 19 हेक्टेयर क्षेत्र में 47 हजार 500 पौधों का रोपण किया गया। पथरीली, कोयला अपशिष्ट युक्त और पहाड़ी संरचना होने के बावजूद यह रोपण आज एक सघन, हराभरा मानव निर्मित जंगल का रूप ले चुका है। यहां पक्षी, गिलहरी, सियार आदि वन्य प्राणियों की संख्या बढ़ने से जैव विविधता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

सुरक्षित एवं वैज्ञानिक तरीके से रोपण कार्य

क्षेत्र का चयन एसईसीएल एवं निगम के अमले द्वारा संयुक्त निरीक्षण से किया गया। जीपीएस सर्वे और सीमांकन उपरांत 2-2 मीटर अंतराल पर 45-45-45 से.मी. के गड्ढे खोदे गए। 720 रनिंग मीटर क्षेत्र में फेंसिंग

कर सुरक्षा सुनिश्चित की गई। निगम की रोपणी से 3दू4 फीट ऊंचाई के उच्च गुणवत्ता वाले पौधे (नीम, शीशम, सिरिस, कचनार, करंज, बांस, आंवला आदि) लाकर रोपण किया गया। पहले और दूसरे वर्ष मृत पौधों का प्रतिस्थापन तथा नियमित सिंचाई, गुड़ाई, सुरक्षा और खाद डालने का कार्य किया गया।

5 वर्ष की देखरेख के बाद एसईसीएल को क्षेत्र का हस्तांतरण

वर्ष 2019 से 2024 तक पाँच वर्ष की नियमित देखरेख के बाद सफल वृक्षारोपण क्षेत्र का हस्तांतरण वित्तपोषित संस्था एसईसीएल कोरबा को किया गया। आज गांधीसागर डंप यह साबित करता है कि रजहां था खनन अपशिष्ट, वहां अब है हरियाली - बंजर खदान से हराभरा भविष्य यह परियोजना न सिर्फ पर्यावरण सुधार का उत्कृष्ट उदाहरण है, बल्कि यह दिखाती है कि वैज्ञानिक तरीके से किए गए डंप रोपण से किसी भी उजड़े क्षेत्र को हरा-भरा जंगल बनाया जा सकता है।

शिक्षा के साथ संस्कार का होना आवश्यक-राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा

युवाओं ने लिया राष्ट्र निर्माण का संकल्प



रायपुर। स्वामी विवेकानंद जी की 163वीं जयंती एवं राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर रायपुर में युवाओं के उत्साह और राष्ट्रप्रेम का भव्य प्रदर्शन देखने को मिला। इस अवसर पर सुभाष स्टेडियम से स्वामी विवेकानंद सरोवर तक स्वदेशी संकल्प दौड़ का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रप्रेम, स्वदेशी भावना और सकारात्मक सोच का विकास करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा एवं राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने युवाओं को आत्मविश्वास, चरित्र और राष्ट्रसेवा का मार्ग दिखाया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार का होना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन नहीं बल्कि व्यक्तित्व और चरित्र निर्माण का माध्यम भी है। मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति का आधार उसकी युवा शक्ति होती है। भारत आज आजादी के अमृतकाल में प्रवेश कर चुका है और देश की जनसंख्या में युवाओं की बड़ी भागीदारी इसे विश्व मंच पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का अवसर प्रदान करती है।

बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष सुश्री उसेंडी ने कई विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन



कोण्डगांव जिले के पंचायत घोड़ागांव में बनेगा उपस्वास्थ्य केंद्र

रायपुर। कोंडागांव जिले के ग्राम पंचायत घोड़ागांव में 34 लाख रूपए की लागत से उपस्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण होगा। इससे घोड़ागांव सहित आसपास के ग्रामीणों को सहजता से स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ होंगी। बस्तर प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक सुश्री लता उसेंडी ने आज घोड़ागांव में उप स्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण कार्य का विधिवत् भूमिपूजन करने के

साथ ही कई विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विकास एवं निर्माण कार्यों के लोकार्पण व भूमिपूजन से इस क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को मजबूती मिलेगी। सुश्री उसेंडी ने ग्राम पंचायत माकड़ी में माता गुड़ी के समीप 5 लाख रुपये की लागत से रंगमंच निर्माण कार्य का

किया गया। सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत घोड़ागांव के 13 स्कूली छात्राओं को साइकिल प्रदान की गई। घोड़ागांव में रोड से टोडरीपारा होते हुए डेगापारा तक 400 मीटर सीसी सड़क निर्माण हेतु 12 लाख रुपये की लागत से भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीता शोरी, जनपद पंचायत कोंडागांव अध्यक्ष श्रीमती अनिता कोराम, उपाध्यक्ष श्री टोमैरें सिंह ठाकुर, जनपद सदस्यगण सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

स्वामी विवेकानंद के विचारों से ही होगा सशक्त भारत का निर्माण : मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े



400 'नन्हें विवेकानंद' बने आकर्षण, युवाओं से पंच परिवर्तन अपनाने का आह्वान

रायपुर। स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मसात कर ही सशक्त, समरस और विकसित भारत का निर्माण संभव है यह बात महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर कही। उन्होंने युवाओं से सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी आचरण और नागरिक कर्तव्यों के पालन जैसे पंच परिवर्तन को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने में युवाओं की भूमिका सबसे अहम है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार युवाओं को शिक्षा, कौशल

और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। शिक्षित, जागरूक और संस्कारवान युवा ही देश और प्रदेश का भविष्य तय करेंगे। राष्ट्रीय युवा दिवस (स्वामी विवेकानंद जयंती) के अवसर पर सूरजपुर जिला स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऑडिटोरियम में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायी दृश्य देखने को मिला, जब जिले के 400 स्कूली विद्यार्थी स्वामी विवेकानंद की वेशभूषा में कार्यक्रम में शामिल हुए। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने इस दृश्य को अद्भुत बताते हुए कहा कि ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो स्वामी विवेकानंद की ऊर्जा स्वयं युवाओं के माध्यम से मंच पर साकार हो उठी हो। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने युवाओं से नरेश से दूर रहने, राष्ट्र सेवा को जीवन का लक्ष्य बनाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए एक पेड़ मों के नाम अभियान से जुड़ने की अपील की।

श्रम से स्वरोजगार की ओर : दीदी ई-रिक्शा योजना ने संवारी सुषमा सतनामी की जिंदगी

रायपुर। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत महिला निर्माणी श्रमिक श्रीमती सुषमा सतनामी,, निवासी ग्राम तेन्दुकोन्हा, पोस्ट को मंडल द्वारा संचालित दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना के अंतर्गत १1,00,000/- की सहायता राशि प्रदान की गई।

श्रीमती सुषमा सतनामी पूर्व में एक निर्माणी श्रमिक (रेजा) के रूप में कार्यरत थीं, जबकि उनके पति राजमिस्त्री का कार्य करते हैं। उनके दो बच्चे 7वीं एवं 5वीं कक्षा में अध्ययनरत हैं। दैनिक मजदूरी पर आधारित आय के कारण पतिव्रतार के अंतर्गत छ.ग. भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा महिला निर्माणी श्रमिकों के आर्थिक सशक्तिकरण एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने हेतु संचालित दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना की जानकारी प्राप्त हुई।

योजना के अंतर्गत कम से कम 03 वर्षों से मंडल में पंजीकृत, 18 से



50 वर्ष आयु वर्ग की पात्र महिला निर्माणी श्रमिकों को स्वरोजगार हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। जानकारी प्राप्त होने के पश्चात श्रीमती सुषमा द्वारा सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ श्रम विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया गया। आवेदन का विधिवत परीक्षण उपरांत पात्र पाए जाने पर कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा सीधे उनके बैंक खाते में १1,00,000/- की सहायता राशि अंतरित की गई। इस सहायता से श्रीमती सुषमा ने ई-रिक्शा क्रय कर धमतीर शहर में संचालन प्रारंभ किया। वर्तमान में उन्हें प्रतिदिन लगभग १500 से १700 की नियमित आय प्राप्त हो रही है, जिससे वे अपने परिवार का भरण-पोषण एवं बच्चों की शिक्षा-दीक्षा बेहतर ढंग से कर पा

रही हैं। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है तथा आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त कदम बढ़ा है। श्रीमती सुषमा सतनामी ने योजना से लाभान्वित होने पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, श्रम मंत्री, कलेक्टर, जिला धमतरी एवं श्रम विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना उनके जैसे श्रमिक परिवारों के लिए आशा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बनी है। दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना महिला श्रमिकों को स्वरोजगार से जोड़कर न केवल आर्थिक सशक्तिकरण कर रही है, बल्कि सामाजिक सम्मान भरण-पोषण एवं बच्चों की मार्ग प्रशस्त कर रही है।

समोदा बैराज निर्माण में गति, बायपास रोड और गौरव पथ का निर्माण

खरोरा में मुख्यमंत्री की बड़ी घोषणा-

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में सीएम ट्रॉफी ऑल इंडिया फुटबॉल चैंपियनशिप का भव्य समापन

9 राज्यों की 16 टीमों को पछड़कर छत्तीसगढ़ की रामकृष्ण मिशन, नारायणपुर टीम बनी चैंपियन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज रायपुर जिले के खरोरा में आयोजित सीएम ट्रॉफी ऑल इंडिया फुटबॉल चैंपियनशिप के भव्य समापन समारोह के अवसर पर क्षेत्रवासियों के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की। मुख्यमंत्री श्री साय ने समोदा बैराज के निर्माण कार्य में तेजी लाने, खरोरा में बायपास रोड तथा गौरव पथ के निर्माण की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जोहार संगवारी फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा



आयोजित सीएम ट्रॉफी के पांचवें संस्करण में शामिल होकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने कहा कि खरोरा जैसे क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजन का होना गर्व की बात है, इससे स्थानीय प्रतिभागों को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है।

मुख्यमंत्री ने देश के विभिन्न राज्यों से आई टीमों का स्वागत किया तथा छत्तीसगढ़ के नारायणपुर स्थित रामकृष्ण मिशन की टीम को विजेता बनने पर बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दूरस्थ एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में रामकृष्ण मिशन

द्वारा सामाजिक, शैक्षणिक एवं खेल विकास के क्षेत्र में किया जा रहा कार्य सराहनीय है। उन्होंने फहनल मुकाबले में उपविजेता रही पीएफसी केरल की टीम को भी भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और निरंतर अभ्यास करते रहने का संदेश



दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि धरसीवा विधानसभा क्षेत्र में पिछले दो वर्षों में लगभग 400 करोड़ रुपये के विकास कार्य किए गए हैं। उन्होंने इसके लिए विधायक श्री अनुज शर्मा के सक्रिय प्रयासों की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खेलों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार बनते ही बंद पड़े खेल अलंकरण समारोह को पुनः प्रारंभ किया गया है। गांव-गांव से खेल प्रतिभागों को निखारने का कार्य किया जा रहा है तथा 'खेलो इंडिया' योजना के अंतर्गत आवश्यकतानुसार खेल मैदानों का निर्माण कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि बस्तर ओलंपिक की शुरुआत पिछले वर्ष की गई थी, जिसमें दो वर्षों के भीतर प्रतिभागियों की संख्या दोगुनी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि राज्य में लगातार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों का आयोजन हो रहा है तथा छत्तीसगढ़ में आईपीएल के दो मैच आयोजित किए जाने की चर्चा हो रही है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री श्री टंकम वामा ने विजेता एवं उपविजेता दोनों टीमों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि जो टीम इस बार पीछे रह गई है, उन्हें निराश होने की आवश्यकता नहीं है। निरंतर परिश्रम और समर्पण से सफलता अवश्य प्राप्त होती है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा पिछले

दो वर्षों में संचालित विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए आधार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में स्थापित करने का संकल्प सभी का है। विधायक श्री अनुज शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह सीएम ट्रॉफी का पांचवां संस्करण है और इसे अब स्थायी रूप से मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नाम से आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ देश में सबसे तेजी से अपना घोषणा पत्र पूरा करने वाला राज्य बन रहा है। खेल अलंकरण की पुनः शुरुआत, बस्तर ओलंपिक तथा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में लगातार अंतरराष्ट्रीय मैचों का आयोजन इसके प्रमाण हैं। कार्यक्रम में विजेता खिलाड़ियों को एक लाख की राशि एवं सीएम ट्रॉफी प्रदान की गई। साथ ही अन्य खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित थे।

नशा मुक्त भारत बनाने की परिकल्पना अंतर्गत जिला स्तर पर विशेष अभियान संचालित

कोरबा। राज्य बाल संरक्षण समिति छ.ग. संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग, रायपुर के पत्र द्वारा बच्चों द्वारा ड्रग्स एवं अन्य स्वापक औषधियों के प्रयोग की रोकथाम हेतु नशा मुक्त भारत अभियान विमर्ष के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक कार्यवाही हेतु लेख किया गया है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत जिलों में बच्चों को नशे की आदतों से दूर रखने के लिए शैक्षणिक संस्थाओं, बाल देखरेख संस्थाओं, सार्वजनिक स्थलों एवं ऐसे चिन्हांकित स्थलों जहां बच्चों की उपस्थिति हो, वे जागरूकता कार्यक्रम/अभियान दिनांक 01/01/2026 से 15/01/2026 तक संयुक्त रूप से संचालित किये जाने हेतु कलेक्टर कोरबा के कुशल मार्गदर्शन व जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग के नेतृत्व में जिला स्तर पर दल का गठन किया जाकर दिनांक 01/01/2026 से 15/01/2026 तक संयुक्त रूप से अभियान संचालित किया जा रहा है। तदुपरांत जिले में बच्चों के सर्वोत्तम हित में आवश्यकतानुसार समय-समय पर अभियान का

संचालन करेंगे। अभियान के दौरान देखरेख एवं संरक्षण/विपरीत परिस्थिती अंतर्गत बच्चों के प्राप्त होने पर बालकों को, बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत कर किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार तथा दल के संबंधित विभागों द्वारा नियमानुसार कार्यवाही करेगी। जिले में बच्चों के देखरेख एवं संरक्षण को सुनिश्चित किये जाने हेतु तथा बच्चों द्वारा ड्रग्स एवं अन्य स्वापक औषधि के प्रयोग के रोकथाम व पुनर्वास को सुनिश्चित किया जा सकता है। इस हेतु महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सभी प्रतिष्ठित, प्रतिष्ठान व दुकानदार संचालकों, गणमान्य नागरिकों, समाज प्रमुखों, सेवा प्रदाताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं व अन्य सभी से अपील किया गया है कि बच्चों के देखरेख एवं संरक्षण हेतु तथा बच्चों द्वारा ड्रग्स एवं अन्य स्वापक औषधि के प्रयोग के रोकथाम व पुनर्वास हेतु सभी अपना सहयोग प्रदान करें, जिससे जिले में बच्चों के देखरेख एवं संरक्षण को सुनिश्चित किये जाने हेतु तथा बच्चों द्वारा ड्रग्स एवं अन्य स्वापक औषधि के प्रयोग के रोकथाम व पुनर्वास को सुनिश्चित किया जा सके।

कलेक्टर दुदावत ने आदिम जाति कल्याण विभाग की ली समीक्षा बैठक

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आदिम जाति कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शैक्षणिक गतिविधियों तथा निर्माणाधीन कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए प्रगति की जानकारी ली गई।

कलेक्टर ने विभाग अंतर्गत संचालित विद्यालयों के शैक्षणिक परिणामों की समीक्षा करते हुए कहा कि कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में विद्यार्थियों के परिणामों में निरंतर सुधार लाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए प्रभावी शिक्षण रणनीति, नियमित मूल्यांकन एवं विशेष मार्गदर्शन के माध्यम से बच्चों को बेहतर परिणाम दिलाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय छुरी के विद्यार्थियों के परीक्षा परिणामों को और बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान देने की बात कही। साथ ही

शैक्षणिक अनुशासन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण तथा समर्पित प्रयासों के माध्यम से विद्यार्थियों को उत्कृष्टता की ओर अग्रसर करने के निर्देश दिए।

बैठक में विभाग अंतर्गत स्वीकृत एवं निर्माणाधीन कार्यों की भी समीक्षा की गई। आदिवासी बालक आश्रम, पोड़ी उपरोड़ा सहित विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने इन्हें समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कोनकोना, बिंझरा सहित अन्य स्थलों पर चल रहे नवीन शैक्षणिक भवनों के निर्माण कार्यों की भी जानकारी ली और नए शैक्षणिक सत्र से पूर्व सभी कार्य पूर्ण करने पर जोर दिया।

कलेक्टर ने अधीक्षक आवास, मिनीमाता बैराज से संबंधित कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अभियंताओं को निर्धारित समय-सीमा से पूर्व कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ महिला कोष की 'सक्षम योजना' से बदली जीवन की दिशा



रेखा ठाकुर ने स्वरोजगार को बनाया नियमित आय का साधन

रायपुर। छत्तीसगढ़ महिला कोष द्वारा संचालित सक्षम योजना राज्य की आर्थिक रूप से कमजोर, विधवा एवं एकल महिलाओं के लिए संबल बनकर उभरी है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे

सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर सकें और अपने परिवार की जिम्मेदारियों को मजबूती से निभा सकें। इसी क्रम में मुंगेली जिले के पथरिया विकासखण्ड के ग्राम धरदैई निवासी श्रीमती रेखा ठाकुर को सक्षम योजना का लाभ दिया गया। सीमित आय और पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण उनका जीवन संघर्षों से भरा हुआ था। दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति करना भी उनके लिए कठिन हो गया था, जिससे वे मानसिक रूप से भी परेशान रहती थीं।

सक्षम योजना के तहत प्राप्त आर्थिक सहायता ने उनके जीवन में नई उम्मीद जगाई। इस सहायता से उन्होंने सिलाई मशीन खरीदी और इससे स्वरोजगार की शुरुआत की, जिससे नियमित आय का साधन विकसित हुआ। धीरे-धीरे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होने लगा और परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति सहज होने लगी। योजना से मिली मदद ने केवल आर्थिक सशक्तिकरण ही नहीं किया, बल्कि उनमें आत्मविश्वास और आत्मसम्मान की भावना भी उत्पन्न की। आज वे अपने निर्णय स्वयं ले रही हैं और परिवार की जिम्मेदारियों को सफलतापूर्वक निभा रही हैं। गांव और समाज में उनकी पहचान एक आत्मनिर्भर और सशक्त महिला के रूप में बन गई है। छत्तीसगढ़ महिला कोष की सक्षम योजना वास्तव में महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक प्रभावशाली पहल है। यह योजना न केवल आर्थिक मजबूती प्रदान कर रही है, बल्कि महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का अवसर भी दे रही है।

तीन स्वास्थ्य केंद्रों को मिला राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन सम्मान



प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दनगढ़, आयुष्मान आरोग्य मंदिर चिखली तथा केवटटोला शामिल

रायपुर। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। जिले के दुर्गम एवं जनजातीय क्षेत्रों में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दनगढ़, आयुष्मान आरोग्य मंदिर चिखली तथा केवटटोला को भारत

सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। भौगोलिक रूप से चुनौतीपूर्ण क्षेत्र होने के बावजूद इन स्वास्थ्य केंद्रों ने सेवा गुणवत्ता, रोगी अधिकार, संक्रमण नियंत्रण, स्वच्छता, बायोमेट्रिक वेस्ट प्रबंधन सहित 7 राष्ट्रीय मानकों पर 70 से अधिक अंक प्राप्त कर यह सिद्ध किया है कि समर्पण और सुव्यवस्थित प्रयासों से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित की जा सकती हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय

खोब्रागडे ने बताया कि इस सफलता के पीछे जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा तैयार की गई विशेष कार्ययोजना, सतत मॉनिटरिंग, नियमित समीक्षा एवं रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। स्वास्थ्य संस्थानों में मरीजों को बेहतर उपचार के साथ-साथ उनके अधिकारों एवं सम्मानजनक व्यवहार पर विशेष ध्यान दिया गया। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने जिले के इस उपलब्धि पर कहा कि यह सफलता निरंतर प्रयास, टीम भावना और मजबूत इच्छाशक्ति का परिणाम है।

बिठलदाह के सुनील सामुदायिक शौचालय परिसर में कर रहे किराना दुकान संचालन

प्रतिमाह अर्जित कर रहे 12 हजार रुपए से अधिक की आय

रायपुर। स्वच्छ भारत मिशन केवल स्वच्छता का अभियान नहीं, बल्कि ग्रामीण जीवन में आत्मनिर्भरता और सम्मानजनक आजीविका का सशक्त माध्यम भी बन रहा है। इसका जीवंत उदाहरण मुंगेली जिले के लोरेमी विकासखंड के ग्राम बिठलदाह के सुनील यादव हैं, जिन्होंने सामुदायिक शौचालय परिसर से जुड़ी दुकान को न केवल आजीविका का साधन बनाया, बल्कि उसे गांव की आवश्यकताओं का केंद्र भी बना दिया है। ग्राम बिठलदाह में स्थित दुकानयुक्त सामुदायिक शौचालय परिसर के एक कक्ष में सुनील यादव द्वारा किराना एवं जमरल स्टोर का सफल संचालन किया जा रहा है। इस नवचारी पहल से वे प्रतिमाह लगभग 12 हजार रुपये से अधिक की नियमित आय अर्जित कर रहे हैं।

इस आय से उनकी आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय



सुधार हुआ है और वे अपने परिवार का भरण-पोषण आत्मसम्मान के साथ कर पा रहे हैं। साथ ही अपने छोटे भाई-बहनों की शिक्षा और आवश्यकताओं का दायित्व भी पूरी जिम्मेदारी के साथ निभा रहे हैं। सुनील यादव ने बताया कि उन्हें जीविकोपार्जन का साधन मिल गया है तथा आर्थिक समस्या भी दूर हो रही है। इसके साथ ही ग्रामीणों को

रोजमर्रा की जरूरतों के लिए अब दूर नहीं जाना पड़ता। गांव में ही किराना सामग्री की उपलब्धता से समय और धन की बचत हो रही है। उन्होंने बताया कि शौचालय के सुव्यवस्थित संचालन से गांव में स्वच्छता बनी हुई है और लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता भी लगातार बढ़ रही है। जिससे खुले में शौच की प्रवृत्ति पर प्रभावी रोक लगी है।

सुगम, पारदर्शी और सुव्यवस्थित धान खरीदी से किसान संतुष्ट

सुशहाल कृष्ण रामलाल खेरवार, सरकार की नीति ने दी नई उम्मीद

कोरबा। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत धान खरीदी का कार्य प्रदेशभर में सुचारू, पारदर्शी और किसान-केन्द्रित तरीके से संचालित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा लागू की गई व्यवस्था से किसानों को उनकी उपज का देश में सर्वाधिक समर्थन मूल्य (एमएसपी) प्राप्त हो रहा है, जिससे अन्नदाताओं में संतोष और भरोसा दोनों दिखाई दे रहा है।

सभी धान उपार्जन केंद्रों पर टोकन आधारित खरीदी, डिजिटल तौल व्यवस्था, शीघ्र भुगतान और सुव्यवस्थित प्रबंधन के चलते किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ रहा है। बैठने, पीने का पानी, छाया, बारदाना और अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता से धान विक्रय की प्रक्रिया अत्यंत सहज और सम्मानजनक बन गई है।

कोरबा जिले के ग्राम डोंगरदाह निवासी श्री

रामलाल खेरवार इस खरीफविपणन वर्ष में भी पुरे भरोसे के साथ अपना धान बेचने में सफलतापूर्वक रहे हैं। यह उनका पहला अनुभव नहीं है, बल्कि पिछले वर्ष भी उन्होंने 167 किंवटल धान का विक्रय किया था और इस वर्ष भी समय पर टोकन कटवाकर उतनी ही मात्रा में धान लेकर आए हैं। श्री खेरवार बताते हैं कि पहले धान बेचने में कई तरह की परेशानियां आती थीं, लेकिन अब सरकार द्वारा की गई व्यवस्था से पूरी प्रक्रिया आसान और भरोसेमंद हो गई है। टोकन प्रणाली के कारण किसानों को अपनी बारी का इंतजार नहीं करना पड़ता, तौल मशीनों से सटीक वजन होता है और भुगतान सीधे खाते में समय पर मिल जाता है। इससे किसान मानसिक रूप से भी निश्चित रहते हैं। उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए कहा, सरकार हम सभी किसानों को मेहनत का सही और पूरा मूल्य दे रही है, तौल में कोई गड़बड़ी नहीं होती और भुगतान भी समय पर मिल जाता है। उपार्जन केंद्र में सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं, इससे हमारा मनोबल बढ़ता है। राज्य सरकार द्वारा घोषित उच्चतम समर्थन मूल्य से किसानों की

आमदनी में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हो रही है। इससे वे न केवल अपने घरेलू खर्च सहजता से पूरा कर पा रहे हैं, बल्कि खेती से जुड़ी अगली तैयारियों में भी अधिक निवेश कर पा रहे हैं। समय पर और सीधे खाते में भुगतान होने से आर्थिक सुरक्षा बढ़ी है। धान उपार्जन केंद्रों पर प्रशासनिक निगरानी और तकनीकी व्यवस्था के कारण बिचैलियों की भूमिका समाप्त होने से किसान सीधे सरकार से जुड़कर लाभ उठा रहे हैं।

किसानों की मेहनत को मिल रहा सम्मान

छत्तीसगढ़ सरकार ने स्पष्ट किया है कि किसानों की समृद्धि ही प्रदेश की प्रगति का आधार है। इसी सोच के अनुरूप धान खरीदी व्यवस्था को सरल, भरोसेमंद और तकनीक आधारित बनाया गया है। आज श्री रामलाल खेरवार जैसे हजारों किसान यह अनुभव कर रहे हैं कि शासन उनके साथ खड़ा है। सरकार की इस पहल से छत्तीसगढ़ न केवल देश में धान उत्पादन में अग्रणी बना हुआ है, बल्कि किसानों के कल्याण के क्षेत्र में भी एक आदर्श राज्य के रूप में उभर रहा है।



यातायात जागरूकता अभियान में आरटीओ और चिरमिरी पुलिस की संयुक्त पहल

लाइसेंस बनवाने की राह अब हुई आसान



एमसीबी/चिरमिरी।

सड़क सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे शासन के एक माह के विशेष यातायात जागरूकता अभियान के तहत चिरमिरी में आम नागरिकों को सीधी सुविधा देने वाली पहल देखने को मिली। चिरमिरी पुलिस और क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) के संयुक्त सहयोग से आयोजित शिविर में वाहन चालकों

के लिये मौके पर ही लॉजिंग लाइसेंस बनाये जा रहे हैं।इस शिविर का उद्देश्य उन लोगों को राहत देना है जो अब तक बिना वैध लाइसेंस के वाहन चला रहे थे या लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया को जटिल मानकर टाल रहे थे।

आरटीओ विभाग द्वारा शिविर स्थल पर ही आवेदन से लेकर आवश्यक औपचारिकताओं तक की प्रक्रिया पूरी की जा रही है जिससे लोगों को समय और भागदौड़ दोनों से निजात मिल रही है। यातायात जागरूकता अभियान के अंतर्गत

इससे पूर्व 9 जनवरी को वाहन चालकों के लिए निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का भी आयोजन किया गया था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि चालक शारीरिक रूप से सुरक्षित ड्राइविंग के लिये सक्षम हैं। पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रंजें दीपक कुमार झा और पुलिस अधीक्षक एमसीबी श्रीमती रत्ना सिंह के मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी चिरमिरी उपनिरीक्षक विजय सिंह ने बताया कि शिविर की जानकारी शहर में मुनादी के माध्यम

से दी गई थी जिसके चलते सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग शिविर स्थल पर पहुंचे।उन्होंने बताया कि शासन द्वारा पूरे माह यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिये विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आरटीओ विभाग के समन्वय से यह शिविर आयोजित किया गया है जिसका प्रमुख उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और नागरिकों को कानूनी और सुरक्षित तरीके से वाहन चलाने के लिये प्रेरित करना है।

मुयमंत्री गौरव पथ योजना के तहत नेवारी एवं मोहगांव में 83.30 लाख रुपये से सीसी सड़क निर्माण कार्य का किया गया भूमिपूजन

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रयासों से कवर्धा विधानसभा में बिछ रहा सड़कों का जाल-पूर्व संसदीय सचिव मोतीराम चंद्रवंशी

डबल इंजन की सरकार से ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का हो रहा तेजी से विकास-जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी

कवर्धा

उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा के प्रयासों से मुख्यमंत्री गौरव पथ योजना के अंतर्गत ग्राम नेवारी एवं मोहगांव में 83 लाख 30 हजार रुपये की लागत से स्वीकृत सीसी सड़क निर्माण कार्य का आज विधिवत पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन किया गया। दोनों सड़कों के निर्माण के लिए प्रत्येक 41 लाख 65 हजार रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने कार्य के शुभारंभ को क्षेत्र के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। भूमिपूजन कार्यक्रम में पूर्व संसदीय सचिव मोतीराम चंद्रवंशी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, रामकुमार भट्ट स्थायी जनप्रतिनिधि, ग्राम पंचायत पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पूजा-



अर्चना उपरांत भूमि पूजन किया गया। पूर्व संसदीय सचिव मोतीराम चंद्रवंशी ने कहा कि उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा के नेतृत्व में कवर्धा विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को अभूतपूर्व गति मिली है। उन्होंने कहा कि कवर्धा विधानसभा में सड़क, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं विभिन्न मूलभूत सुविधाओं का विस्तार लगातार हो रहा है। यह सड़कों का जाल सिर्फ आवागमन के सुधार का माध्यम नहीं है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने एवं विकास की नई संभावनाओं को साकार करने का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने कहा कि नेवारी एवं मोहगांव में स्वीकृत नई सीसी सड़कों के निर्माण से किसानों को उपज परिवहन में सुविधा, स्कूली बच्चों के लिए सुरक्षित मार्ग और दैनिक गतिविधियों में सुगमता प्राप्त होगी। जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी ने

कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों को राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार बनते ही 18 लाख आवासों की स्वीकृति दी गई। उन्होंने आगे कहा कि राज्य में माताओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए महतारी वंदन योजना एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में कार्य कर रही है। इस योजना के तहत पात्र माताओं के बैंक खातों में प्रति माह एक हजार रुपये की राशि हस्तांतरित की जा रही है। इस सहयोग से परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है और घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायता मिल रही है। डबल इंजन की सरकार से ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विकास हो रहा है, जिससे गांवों में खुशहाली और परिवर्तन की नई धारा प्रवाहित हो रही है।

ग्रामीणों ने जताया आभार

नेवारी एवं मोहगांव के ग्रामीणों ने सड़क निर्माण कार्य की भूमिपूजन से लिए उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रति आभार प्रकट किया है। ग्रामीणों ने कहा कि नई सड़कें उनके दैनिक जीवन, खेती-किसानी और आवागमन की सुविधा में सुधार लाएंगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आने वाले समय में भी इसी प्रकार विकास कार्यों की निरंतरता बनी रहेगी। इस अवसर पर जनपद उपाध्यक्ष गणेश तिवारी, मनोराम साहू, विजय पाटिल, रोहित नाथ योगी, वीर सिंह पटेल, दिलीप साहू, सरपंच सेवाराम पात्रे, मिथलेश बंजारे, बीरब्रु राम पटेल, दानीराम चंद्रवंशी, जोसेफ पटेल, आत्मादास मानिकपुरी, दुर्गाेश श्रीवास, नागेश्वर जायसवाल, चंद्रभान सिंह ठकुर सहित ग्रामीण, जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

कलेक्टर ने सभी विभागों को अटल मॉनिटरिंग पोर्टल में नियमित ऑनलाइन एंट्री करने कहा

धान खरीदी में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, नोडल अधिकारी अनुपस्थित मिले तो होगी कड़ी कार्रवाई – कलेक्टर

गणतंत्र दिवस समारोह को गरिमामय मनाने सभी विभागों की दिए आवश्यक निर्देश बैठक में अनुपस्थित अधिकारी को कलेक्टर ने कारण बताओ नोटिस जारी करने के दिए निर्देश

जांजगीर-चांपा

कलेक्टर जमेश्वर महोबा ने कलेक्टोरेट सभाक्षेत्र में समयसीमा की बैठक लेकर जिले के विभिन्न विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर ने धान खरीदी केंद्रों में निरीक्षण और समीक्षा के दौरान यह पाया कि कई धान खरीदी केंद्रों में नियुक्त नोडल अधिकारी निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं हो रहे हैं। इस पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि भविष्य में ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि यदि नोडल अधिकारी समय पर केंद्रों में उपस्थित नहीं जाएं, तो उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सभी विभागों को निर्देशित किया गया कि वे आपसी समन्वय बनाकर शासन की योजनाओं और कार्यों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। इस दौरान उन्होंने पी वी एफ के माध्यम से ऑनलाइन एंट्री करने, धान खरीदी केंद्रों में स्टैकिंग व्यवस्था को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी कार्य में



किसानों को किसी प्रकार की समस्या न हो तथा कोचियों व बिचौलियों पर निरंतर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अटल मॉनिटरिंग पोर्टल के माध्यम से विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी विभागों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने कार्यों की प्रगति नियमित एवं समयबद्ध रूप से ऑनलाइन दर्ज करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या या संशय की स्थिति में राज्य नोडल अधिकारी से तत्काल संपर्क कर एंट्री सुनिश्चित करें, ताकि पोर्टल में अद्यतन जानकारी उपलब्ध रहे। कलेक्टर ने कहा कि अटल मॉनिटरिंग पोर्टल शासन की निगरानी प्रणाली का महत्वपूर्ण माध्यम है, इसलिए इसमें दी जाने वाली जानकारी समय पर दी जाए। कलेक्टर ने

प्रशासनिक कार्यप्रणाली को और अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी एवं समयबद्ध बनाने के उद्देश्य से ई-ऑप्स प्रणाली को पूर्ण रूप से लागू करने कहा। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शासकीय फ़ाइलों का संचालन केवल ई-फ़ाइल प्रणाली के माध्यम से ही किया जाए। बैठक में छत्तीसगढ़ मेडिकल सिंसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्यों में देरी होने और विभाग के अधिकारी के अनुपस्थित पाए जाने पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। साथ ही कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री सूर्यग्र मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जिले के प्रत्येक गांव का चिह्नचानक कर शत-प्रतिशत सौर ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रभावी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि यह योजना न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण है, बल्कि आम नागरिकों को बिजली बिल में राहत देने में भी सहायक है। कलेक्टर ने

योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश देते हुए कहा कि अधिक से अधिक हितग्राहियों को योजना से जोड़ा जाए। 26 जनवरी गणतंत्र दिवस का गरिमामय आयोजन जिला मुख्यालय स्थित हार्ड स्कूल मैदान में किया जाएगा। कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि वे आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समय-सीमा में सभी तैयारियां पूर्ण करें, ताकि गणतंत्र दिवस समारोह भव्य एवं सफ़्त रूप से आयोजित किया जाए। इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा आकर्षक एवं विभिन्न जनकल्याणकारी आधारित झांकियों का प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही जिले में उजूकृत कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा। कलेक्टर ने शिवरीनारायण मेला को ध्यान में रखते हुए महानदी घाट में जिला सेनानी अग्निशमन को निर्देशित किया कि नगर पंचायत के साथ समन्वय स्थापित सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करें एवं किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सभी आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा बैठक में सियान सदर निर्माण कार्य, जेम पोर्टल के माध्यम से खरीदी, तथा वृद्धाश्रमों की स्थिति में सुधार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने संबंधित विभागों को इन कार्यों में तेजी लाने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर ज्ञानेंद्र सिंह, अपर कलेक्टर अर. के. तंबोली, संयुक्त कलेक्टर संदीप ठाकुर, संयुक्त कलेक्टर स्मिता तिवारी सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

यूजर चार्ज, प्रोत्साहन राशि और अपशिष्ट विक्रय से 8 लाख 50 हजार रुपये की अतिरिक्त आमदनी

डोर-टू-डोर अपशिष्ट संग्रहण से मिली बड़ी सफ़्तता

एमसीबी

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के दिशा-निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम के मार्गदर्शन में मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले की ग्राम पंचायतों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन मॉडल तेजी से सफ़्तता की नई कहानी लिख रहा है। ग्राम पंचायत सलका, सीरियाखोह, पिपरिया, चनवारीडोंड, बुंदेली, पाराडोल, डोगरीटोला, हरचौका, लालपुर, शंकरगढ़, चैनपुर और खडगांव में स्वच्छप्राहियों द्वारा डोर-टू-डोर अपशिष्ट संग्रहण और पृथक्करण से गांवों की तस्वीर बदल रही है। ग्राम पंचायतों के सहयोग और सतत निगरानी ने स्वच्छता



अभियान को नई गति दी है। शहरों की तरह अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी ठोस अपशिष्ट संग्रहण और पृथक्करण की नियमित व्यवस्था विकसित हो चुकी है।

चौक-चौराहों तथा सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता साफ़दिखाई देने लगी है। सप्ताह में दो से तीन दिन के अंतराल पर घर-घर से अपशिष्ट का व्यवस्थित संग्रहण किया जा रहा है। इस अभियान से एक ओर गांवों को गंदगी और दुर्गंध से मुक्ति मिल रही है, वहीं दूसरी ओर स्वच्छप्राहियों के लिए स्थायी आजीविका का मार्ग भी तैयार हुआ है। यूजर चार्ज, प्रोत्साहन राशि और अपशिष्ट विक्रय के माध्यम से कुल 8,50,000 रुपये

की अतिरिक्त आय अर्जित की गई है, जिससे जुड़े श्रमिकों का उत्साह भी बढ़ा है। सरपंच और सचिव की सक्रियता, रुचि और सतत निगरानी के कारण अभियान का क्रियान्वयन प्रभावी ढंग से हो रहा है। डोर-टू-डोर अपशिष्ट संग्रहण एवं पृथक्करण कार्य में ग्राम पंचायतों की महत्वपूर्ण भूमिका ने ग्रामीण क्षेत्रों को ओडीएफ़ प्लस मॉडल ग्राम के रूप में विकसित करने का मार्ग प्रशस्त किया है। यह पहल न केवल स्वच्छता की दिशा में मजबूत कदम है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और सामुदायिक सहभागिता बढ़ाने का प्रेरक उदाहरण भी बन रही ।

जिले में रचा गया इतिहास: बाल मधुमेह पीड़ित बच्चों के लिए पहली बार रोगी सहायता समूह हुआ बैठक

अब बीमारी नहीं बनेगी भविष्य की बाधा: जिले में टाइप-1 डायबिटीज बच्चों के लिए हुआ ऐतिहासिक पहल

एमसीबी

छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल जी के गृह जिले मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में आज टाइप-1 डायबिटीज (बाल मधुमेह) से पीड़ित बच्चों और उनके परिजनों के लिए पहली बार रोगी सहायता समूह बैठक का आयोजन किया गया। यह ऐतिहासिक और संवेदनशील पहल कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। कार्यक्रम का आयोजन राज्य एनसीडी सेल, जिला स्वास्थ्य समिति एमसीबी, यूनिसेफ़, छत्तीसगढ़ एवं एकम फंडेशन के तकनीकी सहयोग से किया गया। इस विशेष बैठक का उद्देश्य टाइप-1 डायबिटीज से जूझ रहे बच्चों एवं उनके परिवारों को सही चिकित्सकीय जानकारी, भावनात्मक संचल, उपचार प्रबंधन तथा दैनिक जीवन में आवश्यक देखभाल से जुड़ा व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करना था। कार्यक्रम में महापौर राम नरेश



राय, बड़ा बाजार पार्षद मनीष खटीक, हल्दीबाड़ी पार्षद श्रीमती बाँबी कोराम एवं शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि डॉ. डी. के. उपाध्याय की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि टाइप-1 डायबिटीज एक चुनौती जरूर है, लेकिन यह बच्चों के जीवन की दिशा तय नहीं कर सकती। सही जानकारी, नियमित उपचार और सकारात्मक सोच के साथ बच्चे न केवल स्वस्थ जीवन जी सकते हैं बल्कि अपने सपनों को भी साकार कर सकते हैं। उन्होंने परिजनों से बच्चों के प्रति सहयोग, धैर्य और आत्मविश्वास बनाए रखने का आह्वान किया। महापौर राम नरेश राय ने बच्चों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन की किसी भी चुनौती

लक्षण, इंसुलिन प्रबंधन, बच्चों के संतुलित आहार, स्कूल में देखभाल तथा दैनिक जीवन में आवश्यक सावधानियों पर सरल और विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान बच्चों और परिजनों के बीच संवाद आधारित चर्चा भी आयोजित की गई, जिसमें परिवारों ने अपने अनुभव, चुनौतियाँ और सफ़्तताएँ साझा कीं। इन अनुभवों ने अन्य परिवारों को आत्मविश्वास दिया और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत किया। भारत में टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित बच्चों की संख्या लगातार बढ़ रही है और विशेषज्ञों के अनुसार देश उन देशों में शामिल है जहाँ इस बीमारी के नए मामलों में तेजी देखी जा रही है। जानकारी की कमी, उपचार में अनियमितता और भावनात्मक दबाव के कारण कई बच्चों को गंभीर समस्याओं का

सूरजपुर में एनएसयूआई ने मोदी योगी का पुतला दहन कर जताया विरोध

वरुण चौधरी की गिरफ्तारी और बनारस में छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में प्रदर्शन

सूरजपुर

एनएसयूआई (राष्ट्रीय छात्र यूनियन ऑफ़ इंडिया) के कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पुतले का दहन कर सरकार के खिलाफ तीखा विरोध जताया। यह विरोध प्रदर्शन एनएसयूआई सूरजपुर इकाई द्वारा केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के विरोध किया गया।प्रदर्शन का कारण एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी की गिरफ्तारी और बनारस में छात्रों पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज को बताया गया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह कदम छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकारों और आवाज़ को दबाने की कोशिश है।प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए पुतले को आग के हवाले किया और जोर देकर कहा कि युवा और छात्र अपनी आवाज़ दबने नहीं देंगे। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि सरकार ने छात्रों और युवाओं के अधिकारों का सम्मान नहीं किया तो विरोध और तेज होगा।इस अवसर पर बड़ी संख्या में एनएसयूआई के कार्यकर्ता और स्थानीय युवा शामिल हुए। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की



नीतियों के खिलाफविरोध जताने के साथ-साथ लोकतांत्रिक मूल्यों की सुरक्षा पर जोर दिया।प्रदर्शन का यह दृश्य शहर के लोगों के बीच चर्चा

का विषय बन गया, और युवा कार्यकर्ताओं की सक्रियता ने सूरजपुर में राजनीतिक हलचल बढ़ा दी।

तिल-गुड़ की मिठास में बसा सूर्य पर्व है 'मकर संक्रांति'



योगेश कुमार गोयल

मकर संक्रांति का एक लोकप्रिय स्वरूप पतंगोत्सव के रूप में भी सामने आता है। उत्तर भारत और पश्चिमी भारत के कई हिस्सों में इस दिन आकाश रंग-बिरंगी पतंगों से भर जाता है। पतंग उड़ाना केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सामाजिक मेल-जोल और स्वास्थ्य से भी जुड़ा हुआ है। कड़ाके की ठंड के मौसम में खुले आकाश के नीचे कुछ घंटे सूर्य के प्रकाश में बिताना शरीर के लिए लाभकारी माना जाता है।



खगोल विज्ञान की दृष्टि से मकर संक्रांति का महत्व अत्यंत वैज्ञानिक है। पृथ्वी की गोलाकार संरचना और उसके अक्ष पर झुके हुए भ्रमण के कारण दिन और रात की अवधि में परिवर्तन होता है। जब सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण की ओर बढ़ता है, तब उत्तरी गोलार्द्ध में दिन धीरे-धीरे बड़े होने लगते हैं और रातें छोटी होने लगती हैं। लोकभाषा में कहा जाता है कि मकर संक्रांति से दिन 'तिल-तिल' बढ़ता है। दिन की अवधि बढ़ने से खेतों में बोए गए बीजों को अधिक प्रकाश, ऊष्मा और ऊर्जा मिलती है, जिससे फसलों की वृद्धि बेहतर होती है। यही कारण है कि यह पर्व किसानों के लिए विशेष महत्व रखता है और कृषि आधारित भारतीय समाज में इसका गहरा स्थान है। 'मकर' शब्द जहां मकर राशि की ओर संकेत करता है, वहीं 'संक्रांति' का शाब्दिक अर्थ है—संक्रमण या प्रवेश। सूर्य जब एक राशि को छोड़कर दूसरी राशि में प्रवेश करता है, तो उस खगोलीय घटना को संक्रांति कहा जाता है। सूर्य वर्षभर में कुल बारह राशियों में क्रमशः प्रवेश करता है, परंतु मकर संक्रांति को सबसे महत्वपूर्ण इसलिए माना गया है क्योंकि यह उत्तरायण का प्रारंभ बिंदु है। भारतीय परंपरा में उत्तरायण काल को अत्यंत शुभ माना गया है। महाभारत में भी भीष्म पितामह ने उत्तरायण की प्रतीक्षा करते हुए देह त्याग किया था, जिससे इस काल की

पुण्यता और अधिक स्थापित होती है।

मकर संक्रांति की एक विशिष्ट विशेषता यह भी है कि यह भारत का ऐसा पर्व है, जो लगभग पूरे देश में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है, हालांकि इसके नाम, परंपराएं और स्वरूप क्षेत्र विशेष के अनुसार बदल जाते हैं। उत्तर भारत में यह पर्व कहीं लोहड़ी, कहीं खिचड़ी, कहीं माघी तो कहीं पतंगोत्सव के रूप में मनाया जाता है। मध्य भारत में इसे सामान्यतः संक्रांति कहा जाता है, जबकि दक्षिण भारत में यही पर्व 'पोंगल' के रूप में महापर्व का दर्जा रखता है। कहीं इसे उत्तरायण कहा जाता है तो कहीं पौष संक्रांति। असम में यह 'भोगाली बिहू' या माघ बिहू कहलाता है, तो बंगाल में पौष संक्रांति के रूप में मनाया जाता है। भारत की सीमाओं से बाहर भी मकर संक्रांति का सांस्कृतिक विस्तार देखने को मिलता है। नेपाल में यह माघे संक्रांति या खिचड़ी संक्रांति के रूप में मनाई जाती है। श्रीलंका में इसे पोंगल या उझवर तिरुनल कहा जाता है। बांग्लादेश में पौष संक्रांति, थाईलैंड में सोंगकरन, म्यांमार में थियान, कंबोडिया में मोहा संगक्रान और लाओस में पि मा लाओ के नाम से यह पर्व मनाया जाता है। यह तथ्य दर्शाते हैं कि सूर्य, ऋतु और कृषि से जुड़ा यह पर्व सीमाओं से परे मानव सभ्यता का साझा उत्सव है।

बिना ईडी के किसी राज्य में चुनाव संभव नहीं?



आयोग समय-समय पर कार्यवाही करता था। पिछले 4 वर्षों में चुनाव आयोग के तीनो आयुक्त को विपक्षी दल गांधी जी के तीन बंदर बताने लगे हैं। जो भाजपा के खिलाफ शिकायत होने पर ना बुरा देखते हैं, ना बुरा सुनते हैं, ना बुरा कहते हैं। विपक्षी दल इसकी शिकायत कोर्ट में भी करते आ रहे हैं। हाल ही में ईडी के अधिकारी बंगाल के साथ-साथ तमिलनाडु, केरल और असम भी पहुंच गए हैं। सबसे बड़ी तीखी प्रतिक्रिया पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता दीदी ने दी है। पश्चिम बंगाल की टीएमसी पार्टी के आठों सेल के आईडैड कंपनी पर ईडी के अधिकारियों ने छापा डाला। यह मामला 2020 में दर्ज किया गया था। दो चुनाव पहले हो चुके हैं। अब विधानसभा चुनाव के दिवस ईडी के अधिकारी छाप मारने पहुंच गए। छाप स्थल पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहुंचीं। उन्होंने ईडी के अधिकारियों से पार्टी से संबंधित दस्तावेजों को

हुड़ड़ा लिया। ईडी के अधिकारियों के खिलाफ पश्चिम बंगाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। वहां से ईडी के अधिकारियों को भागना पड़ा। अब यह मामला हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में ईडी लेकर गई है। इसी तरह से तमिलनाडु में शराब और रियल एस्टेट के अधिकारी कर रहे हैं। केंद्रीय परिवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों का यह पैटर्न कोई नया नहीं है। इसके पहले भी झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के चुनाव के दौरान गिरफ्तार किया गया था। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी तिहाड़ जेल की हवा खिलाई गई थी। महाराष्ट्र के चुनाव में शिवसेना और एनसीपी के नेताओं को भी ईडी ने अपने शिकंजे

में कसा था। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से जुड़े हुए लोगों के खिलाफ ईडी ने कार्रवाई की थी। लोकसभा चुनाव के समय कांग्रेस के सभी खातों को बंद कर दिया गया था। पिछले 4 वर्षों में ईडी का कोई विरोध नहीं हो रहा था, जिसके कारण ईडी का दायरा बढ़ता चला गया। लोकसभा-विधानसभा चुनाव के बाद अब स्थानीय संस्थाओं के चुनाव में भी ईडी के अधिकारी चुनाव से पहले सक्रिय हो जाते हैं। केंद्रीय चुनाव आयोग इन मामलों में चुप्पी साधकर बैठा रहता है। विपक्षी राजनीतिक दल शिकायत करते हैं। चुनाव आयोग उस पर कोई कार्यवाही नहीं करता है। विपक्षी दल आरोप लगाते हैं, यह सब केंद्र सरकार के इशारे पर होता है। अब तो विपक्षी दल न्याय पालिका के खिलाफ भी खुलकर बोलने लगे हैं। विपक्षी दल जब न्यायपालिका में न्याय पाने के लिए जाते हैं, वहां से उन्हें न्याय तो नहीं मिलता है, हां तारीख पर तारीख मिलना शुरू हो जाती है। बिहार एसआईआर के मामले में भी कुछ ऐसा ही हुआ है। बिहार में चुनाव भी हो गए, मामले की सुनवाई अभी भी सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। ऐसी स्थिति में लोगों का संवैधानिक संस्थाओं से भरोसा उठने लगा है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बता दिया है, वह इस लड़ाई को अब सड़कों पर लेकर के लिए तैयार हैं।इससे विपक्षी दलों का डर और भय अब खत्म होने लगा है। विभिन्न राज्यों में यह प्रतिरोध अब देखने को मिलने लगा है। ममता बनर्जी के बाद अब अन्य विपक्षी दल के नेता बड़ी तेजी के साथ सक्रिय हो गए हैं। जिसके कारण आने वाले समय में चुनाव आयोग तथा ईडी के अधिकारियों की मुसीबतें बढ़ना तय है। ऐसा लग अब कहने लगे हैं। न्यायपालिका को अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी के प्रति सजग होना होगा। भारतीय संविधान में संविधान की रक्षा और मौलिक अधिकारों का संरक्षण करने का दायित्व न्यायपालिका का है। न्यायाधीशों में न्याय की नैतिकता और न्यायप्रियता तथा न्याय उचित समय पर मिले इसका ध्यान रखना होगा। अन्वेषण देश अराजकता की ओर आगे बढ़ेगा, इसमें देश और सभी का नुकसान होगा।

वैश्विक उथल-पुथल में भारतीय विवेक और विकास का संतुलन

स्थायी समाधान शक्ति-प्रदर्शन से नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण निर्णयों से निकलता है। पड़ोसी पाकिस्तान के संघर्ष में भी भारत का यही दृष्टिकोण रहा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद उत्पन्न तनावपूर्ण परिस्थितियों में भारत ने सैन्य हड़ता के साथ-साथ रणनीतिक संयम का परिचय दिया। उकसावे के बावजूद स्थिति को व्यापक युद्ध में बदलने से रोकना, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर तथ्यों के साथ शांतिपूर्ण पक्ष रखना और क्षेत्रीय शांति को प्राथमिकता देना भारत को एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करता है।

आज पूरा विश्व देख रहा है बांग्लादेश में भीड़ द्वारा हिंदू अल्पसंख्यकों का नरसंहार हो रहा है, अमेरिकारूस और वेनेजुएला विवाद, ईरान में आंतरिक विरोध, इजरायल-लेबनान संघर्ष, मध्य-पूर्व में तनाव, सीरिया की सैन्य कार्रवाइयों, यूक्रेन, गाजा, सुडान और म्यांमार के युद्ध, अफ्रीका में तख्तापलट, चीन-ताइवान तनाव, पाकिस्तान के बलूचिस्तान में हिंसा, अफगानिस्तान की अस्थिरता और नेपाल की राजनीतिक कमजोरी यह सब दर्शाते हैं कि वैश्विक व्यवस्था गहरे संकट में है। ऐसे समय में भारत का संयमित व्यवहार और विकास-केन्द्रित सोच यह संदेश देती है कि स्थायी शक्ति संवाद, सामाजिक सद्भाव और समावेशी प्रगति से ही बनती है। इन सबके बावजूद भारत के भीतर विकास की गति निरंतर बनी रही। सड़क, रेल, बंदरगाह और हवाई अड्डों जैसे बुनियादी ढाँचों का विस्तार होने के साथ ही डिजिटल इंडिया के माध्यम से तकनीकी समावेशन, स्वदेशी रक्षा उत्पादन और ह्मकेक इन इंडियाहक को बढ़ावा मिलना भारत की विकास-केन्द्रित नीति को दर्शाते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से अंतिम पाँच के नागरिक तक विकास पहुँचाने का प्रयास जारी है।

नवीकरणीय ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन के प्रति प्रतिबद्धता और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था की दिशा में उठाए गए कदमों ने वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत को मजबूत आधार दिया है। भारत ने विकास और सुरक्षा के बीच संतुलन बनाए रखा है। एक ओर सैन्य तैयारी और आंतरिक सुरक्षा को मजबूत किया, तो दूसरी ओर लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक सौहार्द को सुरक्षित रखने पर भी जोर दिया। यही संतुलन भारत को उन देशों से अलग करता है, जहाँ सत्ता संघर्ष और अस्थिरता ने विकास को वर्षों पीछे धकेल दिया।

देश के भीतर सुधारों की प्रक्रिया भी समानांतर रूप से आगे बढ़ी है। महिला आरक्षण, जीएसटी के माध्यम से कर-व्यवस्था का एकीकरण, तीन तलाक पर प्रतिबंध, अनुच्छेद 370 का निरसन, नागरिकता संशोधन अधिनियम, नई शिक्षा नीति, श्रम संहिताओं का सरलीकरण, दिवालियापन संहिता, डिजिटल डेटा संरक्षण कानून, औपनिवेशिक आपराधिक कानूनों के स्थान पर नई न्याय संहिताएँ, आतंकवाद और भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त प्रावधान तथा चुनावी-प्रशासनिक पारदर्शिता के लिए एसआईआर जैसे कदम यह दर्शाते हैं कि सुधार केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं, बल्कि संस्थागत स्तर पर लागू किए जा रहे हैं। विकास के ये प्रयास जमीन पर स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं, जिनमें दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर, वंदे भारत ट्रेन, अमृत भारत स्टेशन योजना, अयोध्या, काशी और सोमनाथ का सांस्कृतिक पुनर्विकास, मुंबई की कोस्टल रोड और अटल सेतु, सौर-पवन ऊर्जा परियोजनाएँ, मोडिकल कॉलेजों और अस्पतालों का विस्तार, हर-घर जल योजना, गगनयान और सेमीकंडक्टर परियोजनाओं में निवेश तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क-सुरंग-पुल

निर्माण ने यह साबित किया है कि भारत की विकास योजनाएँ टोस काग़ों में बदल रही हैं। वर्ष 2025 में सुरक्षा की दृष्टि से भारत ने विवेकपूर्ण भूमिका निभाई है। छत्तीसगढ़-तेलंगाना के सीमावर्ती जंगलों में ऑपरेशन ब्लैक फ़ोरिस्ट के तहत नक्सल-माओवादी नेटवर्क पर निर्णायक कार्रवाई की गई। बीजापुर (छत्तीसगढ़) में नक्सली हिंसा के बाद क्षेत्र-निंत्रण और तलाशी अभियान चलाए गए। नियंत्रण रेखा और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सतत गश्त और त्वरित तैनाती से स्थिरता बनाए रखी गई। साथ ही अजेय वॉररर-25 (राजस्थान), हरिमाऊ शक्ति-2025 (मलेशिया), ऑस्ट्राह्लिंद-2025 (ऑस्ट्रेलिया) और ब्राइट स्टार-2025 (मिस्र) जैसे अभ्यासों से अंतरराष्ट्रीय सैन्य सहयोग को मजबूती मिली। राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा मॉक ड्रिल-2025 और रक्षा आधुनिकीकरण ने भारत की तैयारी को और सुदृढ़ किया। स्पष्ट है कि युद्ध और अराजकता के इस दौर में भारत ने विवेक, संवाद और समावेशी विकास के मार्ग को चुना है। यही भारतीय दृष्टिकोण न केवल देश के भविष्य को सुरक्षित करता है, बल्कि वैश्विक शांति में भी सकारात्मक योगदान देता है। भारतीय विवेक की यही विजय है और संतुलित विकास ही उसकी पटवनी है, जो भविष्य में भारत के विश्व गुरू बनने की राह प्रशस्तप करते हैं। हमें गर्व है कि हम ऐसे महान देश के नागरिक हैं और हमारा सौभाग्य है जो हमने भारत भूमि पर जन्म लिया है। अपने कर्तव्यों और दायित्वों का ईमानदारी से पालन कर हमें देश के स्वर्णिममान की रक्षा करनी होगी, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी आनंद व उमंग के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में अपने गौरवमयी इतिहास को देख सके। (लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

संपादकीय

अमेरिका की निगाह ईरान पर

ईरान में दिसंबर 2025 के आखिरी दिनों में आर्थिक संकट से भड़का आंदोलन अब सत्ता के खिलाफ खुले विद्रोह में बदल चुका है। ईरान की सड़कों पर इस समय भयावह मंजर है। एक तरफ सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के खिलाफ सड़कों पर उबाल जारी है, तो वहीं प्रदर्शनकारियों को आतंकवादी करार देते हुए उन्हें कुचला जा रहा है। लेकिन यह केवल आंतरिक हिंसा नहीं है, बाहर से अमेरिका इस आग में घी डालने का काम लगातार कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप भले खुद को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए सबसे योग्य मानें, असल में वे युद्ध अपराधों और मासूमों की जान लेने के दोषी ठहराए जाने चाहिए। वेनेजुएला पर तो ट्रंप अपना दावा ठोक ही चुके हैं, अभी उन्होंने एक तस्वीर भी जारी की है, जिसमें वो खुद को वेनेजुएला का कार्यवाहक राष्ट्रपति दिखा रहे हैं। किसी देश की संप्रभुता और सम्मान के साथ ऐसा मजाक आधुनिक सभ्यता में नहीं किया जा सकता। लेकिन ट्रंप सभ्यता, कुटनीति और नैतिकता के तर्काजों को मानते ही नहीं हैं। उन्हें केवल मुनाफे की परिभाषा समझ आती है। ट्रंप ने वेनेजुएला के बाद ग्रीनलैंड हड़पने की चेतावनी दी है। उत्तर अमेरिका और आर्कटिक के बीच बसा ग्रीनलैंड ट्रंप को अपने लिए सामरिक महत्व का लगता है, लेकिन केवल इस वजह से उस पर कब्जे की इजाजत नहीं दी जा सकती। ग्रीनलैंड डेन्मार्क का अर्द्धस्वायत्त वाला देश है, यहां के लोग खुद अपना शासन चलाते हैं लेकिन विदेश नीति और सेना डेन्मार्क के पास है। डेन्मार्क ने साफ चेतावनी दी है कि अगर ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर सैन्य कार्रवाई की, तो नाटो खत्म हो जाएगा। फ्रांस, इटली, जर्मनी जैसे बाकी देश भी अब ट्रंप से सावधान हो चुके हैं। जब अमेरिका को पूंजीवादी विस्तारवादी नीति एशिया या अफ्रीका के देशों को अपनी चपेट में लेती रही, तो ये यूरोपीय देश लोकतंत्र और उदारवाद के नाम पर अमेरिका का साथ देते आए। मगर अब खुद उन पर आंच आनी शुरू हुई तो उन्हें समझ आ रहा है कि-लगेगी आग तो आप्रै घर कई जद में, यहां पे सिर्फ हमारा मकान थोड़ी है।। -राहत इंदौरी।

बहरहाल, यूरोपीय देशों को जो खतरा अब दिख रहा है, ईरान से उसे पहले ही भांप लिया था। हालांकि इसमें ईरानी शासन की अपनी खामियां भी हैं, लेकिन उसे अपने स्तर पर सुधरने का मौका दिया जाना चाहिए, न कि इसमें बाहरी ताकतों का दखल होना चाहिए। इस समय ईरान में आर्थिक संकट से खड़े हुए आंदोलन के बाद तख्तापलट का खतरा बढ़ गया है। पिछले साल 28 दिसंबर को शुरू हुए जनआंदोलन में अब तक 5 सौ से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं और 10 लाख से ज्यादा लोग बंदी बनाए गए हैं। 1979 में हुई इस्तामिक क्रांति के बाद 47 साल में ऐसा आंदोलन कभी नहीं देखा गया। हालांकि इस बीच महसा अमीनी की मौत के बाद महिला अधिकारों को लेकर 2022 में आंदोलन हुआ था, लेकिन उसकी प्रकृति अलग थी।

चिंतन-मनन

मिथ्या और वास्तविक अहंकार

मिथ्या अहंकार का अर्थ है, इस शरीर को आत्मा मानना। जब कोई यह जान जाता है कि वह शरीर नहीं, अपितु आत्मा है तो वह वास्तविक अहंकार को प्राप्त होता है। अहंकार तो रहता ही है। मिथ्या अहंकार की र्भत्सना की जाती है, वास्तविक अहंकार की नहीं। वैदिक साहित्य में कहा गया है अहं ब्रह्मास्मि- मैं ब्रह्म हूं, मैं आत्मा हूं। हमें हंह ही आत्म भाव है और यह आत्म साक्षात्कार की मुक्त अवस्था में भी पाया जाता है। हमें हंह का भाव ही अहंकार है लेकिन जब ह्य मैं हंह भाव को मिथ्या शरीर के लिए प्रयुक्त किया जाता है, तो वह मिथ्या अहंकार होता है। जब इस आत्म भाव (स्वरूप) को वास्तविकता के लिए प्रयुक्त किया जाता है, तो वह वास्तविक अहंकार होता है। ऐसे कुछ दार्शनिक हैं जो यह कहते हैं कि हमें अपना अहंकार त्यागना चाहिए। लेकिन हम अपने अहंकार को त्यागे कैसे? क्योंकि अहंकार का अर्थ है स्वरूप। लेकिन हमें मिथ्या देहात्मबुद्धि का त्याग करना ही होगा।

जन्म, मृत्यु, जरा तथा व्याधि को स्वीकार करने के कष्ट को समझना चाहिए। वैदिक ग्रन्थों में जन्म के अनेक वृत्तान्त हैं। श्रीमद्भागवत में जन्म से पूर्व की स्थिति, माता के गर्भ में बालक के निवास, उसके कष्ट आदि का सजीव वर्णन है। चूँकि हम भूल जाते हैं कि माता के गर्भ में हमें किसना कष्ट मिला है, अतएवं हम जन्म तथा मृत्यु की पुनरावृत्ति का कोई हल नहीं निकाल पाते। इसी प्रकार मृत्यु के समय भी सभी प्रकार के कष्ट मिलते हैं, जिनका उल्लेख प्रामाणिक शास्त्र में हुआ है। इनकी विवेचना की जानी चाहिए। जहां तक रोग तथा वृद्धावस्था का प्रश्न है, सबको इनका व्यावहारिक अनुभव है। कोई भी रोगग्रस्त नहीं होना चाहता, कोई भी बूढ़ा नहीं होना चाहता, लेकिन इनसे बचा नहीं जा सकता। जब तक हम जन्म, मृत्यु, जरा तथा व्याधि के दुखों को देखते हुए इस भौतिक जीवन के प्रति निराशावादी दृष्टिकोण नहीं बना पाते, तब तक आध्यात्मिक जीवन में प्रगति करने के लिए कोई प्रोत्साहन नहीं रह जाता।



सनत जैन

कुछ ही महीनो में पांच राज्यों में चुनाव होने वाले हैं। पिछले 4 वर्ष में जहां-जहां विधानसभा, लोकसभा और अन्य महत्वपूर्ण चुनाव होते हैं, वहां पर केंद्रीय परिवर्तन निदेशालय के अधिकारी (ईडी) ठीक उसी तरह से पहुंच जाती है जिस तरह से चुनाव आयोग वहां पर चुनाव कराने के लिए पहुंचता है। महाराष्ट्र, दिल्ली, झारखंड, छत्तीसगढ़ के जब चुनाव हुए थे, तब ईडी की कार्यवाही को सबने देखा है। लोकसभा के जब चुनाव हो रहे थे उस समय भी ईडी देश भर में सक्रिय हो गई थी। अब असम, केरल, पांडुचेरी, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु इत्यादि राज्यों में चुनाव होना है। वहां पर भी ईडी बड़ी तेजी के साथ सक्रिय हो गई है। चुनाव के कुछ महीने पहले ही कई वर्षों पुराने मामले की जांच और छापे की कार्यवाही ईडी के अधिकारी विपक्षी दलों के नेताओं या उनसे जुड़े हुए लोगों के खिलाफ कर देते हैं। भाजपा इसका इस्तेमाल चुनाव के लिए करती है। ईडी की इस टाईमिंग को लेकर विपक्षी दल लगातार सवाल उठा रहे हैं। केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को विपक्षी दलों की शिकायतों को सुनने का ना तो समय है और ना ही वह सुनना चाहते हैं। केंद्र सरकार की शह पर ईडी सक्रिय होती है। इस तरह का आरोप विपक्षी नेता लगाते हैं। ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार कोई हस्तक्षेप करेगी, इस बात की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। पहले चुनाव आयोग जरूर निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए सजग रहता था। सभी राजनीतिक दलों को चुनाव में समान अवसर मिलें। इसको ध्यान में रखते हुए चुनाव



नीलेश वर्मा

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य गहरी अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है और हम भारतीय आनंद के साथ अपने तीन-त्वौहार मना रहे हैं, पूरे देश में भव्य रूप में विभिन्न उत्सवों व समारोहों का आयोजन हो रहा है। हमें यह भी याद रखना होगा कि इसके पीछे हमारे पूर्वजों का बलिदान और भावी योजना है, क्योंकि आज जब हम देखते हैं तो एशिया, यूरोप, अफ्रीका और मध्य-पूर्व के अनेक हिस्सों में युद्ध, गृहसंघर्ष, सत्ता संघर्ष और तख्तापलट की घटनाएँ अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को लगातार कमजोर कर रही हैं। सीमाई विवाद सशस्त्र टकराव में बदल रहे हैं, लोकतांत्रिक संस्थाएँ दबाव में हैं और विश्व अर्थव्यवस्था पर इसका सीधा असर दिख रहा है। परिणामस्वरूप ऊर्जा संकट, प्राकृतिक महँगाई और आपूर्ति-श्रृंखला में बाधाओं ने विशेष रूप से विकासशील देशों के सामने अस्थिर और स्थिरता की दोहरी चुनौती खड़ी कर दी है। ऐसे संकटों से भरे वातावरण में भारत का दृष्टिकोण संतुलित, परिपक्व और दूरदर्शी दिखाई देता है। जहाँ कई देश युद्ध और टकराव की ही समाधान मान रहे हैं, वहीं भारत ने कूटनीति, संवाद और संयम को प्राथमिकता दी है। भारत ने यह करके दिखाया है कि



सच्ची घटना पर आधारित सस्पेंस-क्राइम थ्रिलर फिल्म 'चीकाटिलो' लेकर आ रही हैं शोमिता धुलिपाला

'द नाइट लेनजेर' जैसी वेब सीरीज में नजर आई अभिनेत्री शोमिता धुलिपाला अब एक नई फिल्म लेकर आ रही हैं। यह एक सस्पेंस-क्राइम थ्रिलर फिल्म है। फिल्म का नाम 'चीकाटिलो' है। फिल्म की घोषणा के साथ ही इसका पहला पोस्टर भी जारी हुआ है, जिसमें शोमिता इंटेंस लुक में नजर आ रही हैं।

एक पॉडकास्टर की कहानी है फिल्म

'चीकाटिलो' प्राइम वीडियो की ओरिजिनल तेलुगु भाषा की फिल्म है। हालांकि, यह हिंदी में भी रिलीज होगी। हैदराबाद की पृष्ठभूमि पर बनी 'चीकाटिलो' एक रोमांचक क्राइम-सस्पेंस फिल्म है। कहानी संख्या नाम की लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक टर्र-क्राइम पॉडकास्टर है। इस किरदार को शोमिता धुलिपाला ने निभाया है। अपने इंटर्न की रहस्यमयी मौत के बाद न्याय पाने की अपनी लगातार कोशिश में संख्या को खोफनाक अपराधों की एक चौकाने वाली कड़ी का पता चलता है। जिसके बाद उसके सामने शहर के कुछ सबसे खोफनाक और काले राज सामने आते हैं। फिल्म 23 जनवरी को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। शरण कोपिसेट्टी द्वारा निर्देशित 'चीकाटिलो' को डी. सुरेश बाबु ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की कहानी चंद्र पेम्मारान और शरण कोपिसेट्टी ने लिखी है। फिल्म में शोमिता धुलिपाला और विश्वदेव राचकोडा मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा चैतन्य विशालक्ष्मी, ईशा चावला, झांसी, आमानी और वडलामणि श्रीनिवास भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।



द ब्लफ में समुद्री डाकू बनीं हैं प्रियंका चोपड़ा

ग्लोबल आइकॉन बन चुकी प्रियंका चोपड़ा की फिल्म द ब्लफ की झलक ने ही फैंस को दीवाना बना दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कुछ फोटोज शेयर की हैं, जो आग की तरह फैल गई हैं। उनके हर अवतार से फैंस इंप्रेस हो गए हैं। फिल्म को आप कब और कहा देख सकते हैं, इसका भी ऐलान कर दिया गया है। हॉलीवुड और ग्लोबल एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बना चुकी प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर दर्शकों को चौकाने के लिए तैयार हैं। वह इस बार बिल्कुल नए और अनदेखे किरदार में नजर आने वाली हैं। वह इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म द ब्लफ को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में ताकत, मातृत्व, अतीत की परछाइयों और आत्मसंघर्ष का गहरा मेल देखने को मिलेगा। इस फिल्म के जरिए प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर साबित करती दिखेंगी कि वह नए रास्ते तलाशने से कभी पीछे नहीं हटती। उनकी फिल्म द ब्लफ एक एक्शन थ्रिलर है, जिसमें समुद्री लुटरो की खतरनाक दुनिया दिखाई गई है। इसमें प्रियंका एर्सेल बॉइन नाम की एक निडर और ताकतवर महिला का किरदार निभा रही हैं, जो कभी ब्लडी मैरी के नाम से जानी जाने वाली एक खूंखार समुद्री डाकू रह चुकी हैं। यह भूमिका प्रियंका के अब तक के किरदारों से बिल्कुल

अलग है, क्योंकि इसमें केवल एक्शन ही नहीं, बल्कि भावनात्मक गहराई भी देखने को मिलेगी।

प्रियंका ने रिलीज डेट का किया ऐलान

फिल्म की रिलीज से पहले प्रियंका ने अपने फैंस के साथ द ब्लफ की कुछ तस्वीरें साझा की हैं। यह फिल्म 25 फरवरी 2026 को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। प्रियंका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म के कुछ सीन्स की तस्वीरों को साझा किया। एक तस्वीर में प्रियंका खून से लथपथ, हथियार थामे और पूरी तरह लड़ाई के लिए तैयार नजर आ रही हैं। वहीं, एक और तस्वीर में प्रियंका तलवार लिए गुरुसे में लड़ती दिख रही हैं। इसके अलावा, एक तस्वीर में वह खाने की टेबल पर फैमिली के साथ बैठी हैं। बाकी की तस्वीरों में वह कभी एक रक्षक के रूप में तो कभी समुद्री डाकू के लुक में नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है और फैंस इस नए अवतार को देखकर काफी उत्साहित हैं।

द ब्लफ रिलीज डेट

इन तस्वीरों को शेयर करते हुए प्रियंका ने एक खास कैप्शन लिखा, मा... रक्षक... समुद्री डाकू, ब्लडी मैरी से मिलिए। द ब्लफ 25 फरवरी 2026 को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

मुकेश भट्ट ने आवारापन 2 की रिलीज में देरी पर तोड़ी चुप्पी



फिल्म प्रोड्यूसर मुकेश भट्ट ने अपनी फिल्म आवारापन 2 की रिलीज में देरी की खबरों पर चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि फिल्म में देरी इसलिए हो रही है क्योंकि फिल्म पर अभी कुछ काम बाकी है, न कि इसलिए कि वे फिल्म धुरंधर 2 के आसपास थिएटर्स में फिल्म लाने से डर रहे हैं। दरअसल, आवारापन 2, साल 2007 की एक्शन-रोमांटिक ड्रामा फिल्म आवारापन का

सीकवल है, जिसमें इमरान हाशमी लीड रोल में थे। मीडिया में ऐसी खबरें आई थीं कि आवारापन 2, 13 अप्रैल को रिलीज नहीं होगी, क्योंकि फिल्म धुरंधर पार्ट 2 और यश की फिल्म टॉक्सिक 19 मार्च को रिलीज हो रही है। मुकेश भट्ट ने कहा कि फिल्म की रिलीज डेट अब मई या जून में शिफ्ट की गई है, क्योंकि शूटिंग के दौरान इमरान हाशमी का एक्सीडेंट हो गया था और उन्हें सर्जरी करानी पड़ी। मुकेश भट्ट ने यह भी कहा, इस वजह से उन्हें 45 दिनों तक एक्शन करने की इजाजत नहीं है। इसलिए सारे एक्शन सीक्वेंस बाद में शूट किए जाएंगे। मैं धुरंधर 2 और टॉक्सिक से बिल्कुल नहीं डरता। प्रोड्यूसर के मुताबिक, आवारापन 2 का करीब 20 दिनों का एक शूटिंग शेड्यूल अभी बाकी है, जो मार्च में मलेशिया में पूरा किया जाएगा।

आलिया भट्ट ने टॉक्सिक में यश के लुक पर दी प्रतिक्रिया



फिल्म टॉक्सिक का टीजर आज यश के जन्मदिन पर रिलीज किया गया। एक्टर यश की फिल्म टॉक्सिक-ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स का टीजर सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। एक्शन से भरे इस टीजर ने फिल्म को लेकर फैंस के उत्साह को और अधिक बढ़ा दिया है। अब बॉलीवुड एक्टर आलिया भट्ट ने टॉक्सिक के टीजर पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

आलिया ने टीजर की बहुत तारीफ की। उन्होंने टॉक्सिक के टीजर को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया और सिर्फ एक शब्द लिखा- डाइनामाइट। साथ में दो फायर इमोजी भी बनाए। उन्होंने फिल्म की कास्ट और टीम को टैग भी किया। आलिया के अलावा रितेश देशमुख, संदीप रेड्डी वांगा, राम गोपाल वर्मा और करण जोहर जैसे कई स्टार्स ने भी टीजर की प्रशंसा की है।

टीजर की शुरुआत एक अंतिम संस्कार के सीन से होती है, जहां कई लोग बंदूक लिए पहरा देते नजर आ रहे हैं। फिर एक कार आती है और सीन एक लड़के-लड़की के रोमांटिक सीन में बदल जाता है। अचानक धमाका होता है। वह आदमी बिना शर्ट के कार से बाहर निकलता है, काला कोट पहनता है और धुप में सबको गोली मारता हुआ आगे बढ़ता है। पता चलता है कि वह यश हैं। आखिर में यश कहते हैं, पापा घर आ गए हैं। निर्माताओं ने टीजर के कैप्शन में लिखा, अपने खतरे को अच्छे से देख लो- पेश है राया...

फिल्म टॉक्सिक के बारे में

टॉक्सिक एक गैंगस्टर फिल्म है। इसका निर्देशन गीतू मोहंदास ने किया है। प्रोडक्शन यश और वेंकट के. नारायण ने अपने बैनर और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस से किया है। यश और गीतू ने कहानी भी लिखी है। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरेशी और रुविमणी वसंत मुख्य रोल में हैं।



थलापति विजय और प्रभास को पीछे छोड़ सारा अर्जुन बनीं सबसे लोकप्रिय स्टार

रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' रिलीज के एक महीने बाद भी बॉक्स ऑफिस पर जमी हुई है और शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म की सफलता से फिल्म के कलाकारों की भी लोकप्रियता में इजाफा हुआ है। सिर्फ रणवीर सिंह और अक्षय खन्ना ही नहीं बल्कि फिल्म की हीरोइन सारा अर्जुन को भी 'धुरंधर' की सफलता से फायदा मिला है। तभी सारा इस हफ्ते आईएमडीबी की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में पहले स्थान पर पहुंच गई हैं। इस मामले में उन्होंने प्रभास और थलापति विजय जैसे कई

बड़े दिग्गजों को पीछा छोड़ा है। आईएमडीबी ने अपनी साप्ताहिक लोकप्रियता रैंकिंग जारी की। ये दुनिया भर के लाखों प्रशंसकों के पेज व्यू और यूजर एंगेजमेंट के आधार पर निर्धारित की जाती है। इस रैंकिंग में सारा अर्जुन, जो पिछले हफ्ते दूसरे स्थान पर थीं, इस बार शीर्ष पर पहुंच गईं। उन्होंने इस मामले में थलापति विजय, प्रभास और अगस्त्य नंदा सहित भारतीय सिनेमा के कुछ बड़े नामों को पीछे छोड़ दिया। उनकी इस सफलता का श्रेय काफी हद तक धुरंधर को जाता है। आईएमडीबी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा, 'इस सप्ताह की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में अपने पसंदीदा सितारों को पहचानें। यह सूची पॉपुलर इंडियन सेलेब्रिटीज द्वारा प्रस्तुत की गई है, जो आईएमडीबी का एक साप्ताहिक फीचर है और इसमें विश्व स्तर पर ट्रेंड कर रहे भारतीय सितारों को दिखाया जाता है। अभिनेता, लेखक और अन्य। हमेशा की तरह यह सूची दुनिया भर के 2 करोड़ से अधिक फैंस द्वारा तय की जाती है।'

थलापति विजय आठवें और अगस्त्य नंदा 12वें स्थान पर रहे

सारा के अलावा इस सूची में दूसरे नंबर पर 'धुरंधर' के निर्देशक आदित्य धर रहे, जो पिछले हफ्ते तीसरे नंबर पर थे। हफ्ते के अन्य लोकप्रिय स्टार्स की लिस्ट में थलापति विजय आठवें स्थान और अगस्त्य नंदा 12वें स्थान पर रहे।

करियर की शुरुआत में मैं टाइपकास्ट हो गया था, फिर मैंने भी प्रयोग किए और लोगों ने पसंद किया



इमरान हाशमी बॉलीवुड के उन अभिनेताओं में से हैं, जिन्होंने करियर की शुरुआत में लवर बॉय और सीरियल किस्से के रूप में खूब शोहरत हासिल की। लेकिन फिर वक्त बदला तो अपने हुनर से गजब का इमेज मेकओवर भी किया। बॉय चीट इंडिया, चेहरे, गाउड जॉयो, बार्ड ऑफ ब्लड, हक जैसे तमाम प्रोजेक्ट्स ने उन्हें एक सशक्त अभिनेता के रूप में पहचान दी। यह भी कम दिलचस्प नहीं है कि इमरान हाल के दिनों में पर्दे पर लेगेटिव किरदारों में भी खूब पसंद किए गए। फिर चाहे वह टाइगर 3 हो या फिर दे कॉल हिम ओजी, सिनेमा का यह सितारा हर रंग में दमका।

आपकी मम्मी किश्किन, पिता मुस्लिम और पत्नी हिंदू हैं, आप गंगा-जमुनी तहजीब से ताल्लुक रखते हैं, क्या कहना चाहेंगे?

मैं इस गंगा-जमुनी तहजीब पर गर्व करता हूँ। मेरे घर में मंदिर भी है और नमाज भी पढ़ी जाती है। मैं मानता हूँ कि हमारे देश की सबसे बड़ी ताकत है,

इसकी एक्सल्यूसिवनेस यानी समग्रता। माना कि हर एक किलोमीटर पर बोली और रहन-सहन बदल जाता है, मगर इसके बावजूद हम को-एजिस्ट करते हैं, तो यही हमारी सबसे बड़ी खुशी है। माना कि कई बार कॉन्फ्लिक्ट्स होते हैं, मगर हम एक ऐसा देश हैं, जो अपनी एक्सल्यूसिवनेस के लिए जाना जाता है। एक सेक्युलर माइंडसेट के साथ लोग रहते हैं। हालांकि मेरा विश्वास सही है और आपका गलत, ये सोच तो कुछ लोगों में रहने ही वाली है, मगर एक बड़ी तादाद में लोग जिस तरह से मिल-जुलकर रहते हैं, वो शानदार है। आपके बेटे अयान 15 साल के हो गए हैं, अब पिता के रूप में आपको असुरक्षाएँ क्या हैं? एक कहावत है न कि आपको पिता होने की असुरक्षा का अहसास तब तक नहीं होता, जब तक आप पिता नहीं बनते, तो ये सही बात है। अब जब से मैं पिता बना हूँ, तो उस डर को समझता हूँ। अगर मैं बाहर हूँ, तो ये खयाल डराता है कि वो क्या कर रहा होगा? स्कूल में है, तो अलग चिंता रहती है। आप जब ट्रैवल करते हैं, तब भी दिमाग बच्चे में

लगा रहता है। मगर इन तमाम इनसिक्योरिटीज के बीच कोशिश यही रहती है कि अपने बेटे के साथ ज्यादा से ज्यादा वक्त बिता सकूँ, हालांकि मैं शूटिंग में मसरूफ रहता हूँ, मगर समय निकालने का प्रयास करता हूँ। देखिए, जब तक बच्चे 18 साल के नहीं हो जाते, तब तक का वक्त बड़ा कीमती होता है। उसके बाद तो आपके पास 15-20 पर्सेंट ही वक्त बचता है। उसके बाद तो उनकी अपनी जिंदगी होती है। अलबत्ता अब तो 13 साल के बाद ही बच्चे अपनी चीजों में मसरूफ रहने लग जाते हैं, तो मैं सभी पेरेंट्स से कहूंगा कि बच्चे के 12 साल होने तक का आपके पास एक गोल्डन पीरियड है, उसे कैश कर लीजिए बच्चे के साथ समय बिताकर वरना आप बाद में पछताएंगे।

अगर मैं आपकी अभिनय यात्रा के बारे में कहूँ, तो लवर बॉय और सीरियल किस्से के रूप में शुरुआत करने के बाद अब आप अभिनेता के रूप में समृद्ध हो चुके हैं, इस ट्रांसफॉर्मेशन को कैसे देखते हैं? इसका श्रेय मैं नहीं ले सकता। इसका क्रेडिट उन्हें जाना चाहिए, जिन्होंने मुझे उन अर्थपूर्ण कहानियों

का हिस्सा बनाया। जब कोई फिल्मकार अपने कनिक्शन के साथ मुझ पर दांव खेलता है, तो सेलिब्रिटी एक्टर के रूप में उस मौके को झपट लेता हूँ। सभी जानते हैं कि करियर की शुरुआत में तकरीबन दस साल तक मैं टाइपकास्ट हो गया था। मगर फिर मुझे लगा कि एक लंबी रेस का घोड़ा होना है, तो अलग-अलग किरदार जीने पड़ेगे। मैंने भी प्रयोग किए और लोगों ने मुझे पसंद किया।

आम तौर पर दीपिका पादुकोण, तापसी पन्नू, विद्या बालन सरीखी कई अभिनेत्रियों को शिकायत रही है कि हीरोइन ओरिएंटेड फिल्म में बड़े स्टार्स काम नहीं करते, मगर अपनी पिछली फिल्म हक के नायिका प्रधान होने के बावजूद आप उसका हिस्सा बनें? अगर मुझे कहानी अच्छी लगे, अपना रोल पसंद आए, ये जानने को मिले कि परफॉर्मर के रूप में मैं कुछ अलग और नया कर पाऊंगा और निर्देशक के विजन से मैं इतफाक रखूँ, तो फिर मैं उस रोल को करने से हिचकता नहीं। ये मैंने पहले भी किया है। मैं डटी पिक्चर में विद्या बालन के साथ था। मैं जानता हूँ कि बहुत सारे हीरोइन फीमेल ओरिएंटेड फिल्में करने से कतराते हैं। शायद उन्हें इनसिक्योरिटी लगती होगी या वो सोचते होंगे कि एक मेल प्रोटागोनिस्ट ही होना चाहिए। मगर इस फिल्म में मुझे अपनी भूमिका काफी दिलचस्प लगी। यह फिल्म एक चर्चित केस पर था और मुझे लगा कि अगर मैं इस फिल्म का हिस्सा नहीं बनूंगा, तो शायद पछताऊंगा।



तिल के यह 6 प्रयोग देंगे मनचाही खुशियां

भारतीय सूर्य-संस्कृति में दैनिक सूर्य पूजा का प्रचलन रामायण काल से चला आ रहा है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम द्वारा नित्य सूर्य पूजा का उल्लेख रामकथा में मिलता है। सूर्यवंशी श्रीराम के पूर्व मार्तण्ड थे। राजा भगीरथ सूर्यवंशी थे, जिन्होंने भगीरथ तप-साधना के परिणामस्वरूप पापनाशिनी गंगा को पृथ्वी पर लाकर अपने पूर्वजों को मोक्ष प्रदान करवाया था। कपिल मुनि के आश्रम पर जिस दिन मातु गंगे का पदार्पण हुआ था, मकर संक्रांति का दिन था। पावन गंगाजल के स्पर्शमात्र से राजा भगीरथ के पूर्वजों को स्वर्ग की प्राप्ति हुई थी। राजा भगीरथ ने अपने पूर्वजों का गंगाजल-अक्षत-तिल से श्राद्ध-तर्पण किया था। तब से माघ मकर संक्रांति स्नान और मकर संक्रांति श्राद्ध-तर्पण की प्रथा आज तक प्रचलित है। कपिल मुनि ने वरदान देते हुए कहा था, ‘मातु गंगे त्रिकाल तक जन-जन का पापहरण करेंगी और भक्तजनों की सात पीढ़ियों को मुक्ति एवं मोक्ष प्रदान करेंगी। गंगाजल का स्पर्श, पान, स्नान और दर्शन सभी पुण्यदायक फल प्रदान करेगा।’ महाभारत में पितामह भीष्म ने सूर्य के उतरायण होने पर ही माघ शुक्ल अष्टमी के दिन स्वेच्छा से शरीर का परिस्नान किया था। उनका श्राद्ध संस्कार भी सूर्य की उतरायण गति में हुआ था। फलतः आज तक पितरों की प्रसन्नता के लिए तिल अर्घ्य एवं जल तर्पण की प्रथा मकर संक्रांति के अवसर पर प्रचलित है। सूर्य के उतरायण होने के बाद से देवों की ब्रह्ममुहूर्त उपासना का पुण्यकाल प्रारंभ हो जाता है। इस काल को ही परा-अपरा विद्या की प्राप्ति का काल कहा जाता है। इसे साधना का सिद्धिकाल भी कहा गया है। इस काल में देव प्रतिष्ठा, गृह-निर्माण, यज्ञ-कर्म आदि पुनीत कर्म किए जाते हैं। मकर संक्रांति के एक दिन पूर्व से ही व्रत-उपावास में रहकर योग्य पात्रों को दान देना चाहिए। रहसांशु की सहस्र किरणों के पृथक-पृथक प्रभाव हैं। सूर्य की पहली किरण जहां आसुरी सम्पत्तिमूलक भौतिक उन्नति की विधायक है, वहीं सूर्य की सातवीं किरण भारतवर्ष में देवी सम्पत्तिमूलक आध्यात्मिक उन्नति की प्रेरणा देने वाली है। सातवीं किरण का प्रभाव भारत वर्ष में गंगा-जमुना के मध्य अधिक समय तक रहता है। इस भौगोलिक स्थिति के कारण ही हरिद्वार और प्रयाग में माघ मेला अर्थात् मकर संक्रांति या पूर्ण कुंभ तथा अर्द्धकुंभ का विशेष उत्सव प्रायोजित हुआ करता है। तत्वदर्शी महर्षियों ने पर्व व व्रत-सिंजान के संकड़ा अंश संयुक्त कर दिए हैं। वे इनके गूढ़ गुण गुम्फित लाभप्रद तत्वों को अनुभव जन्म प्रयोगों के द्वारा हृदयंगम कर चुके थे। शास्त्रों में उनके वर्णन करते तथा अपने प्रवचनों के द्वारा अनभिज्ञ व्यक्तियों को वे इन गुणों से परिचित कराया करते थे। उनके स्पष्ट अभिमत हैं कि व्रतों के प्रभाव से प्राणी की आत्मा शुद्ध होती है। संकल्प शक्ति बढ़ती है। ज्ञान तंतु विकसित होते हैं। अंतरत्नल में सच्चिदानन्द परमात्मा के प्रति श्राद्ध एवं भक्तिभाव का संचार होता है। मकर संक्रांति इसी चेतना को विकसित करने वाला व्रत-पर्व है। यह संपूर्ण भारत वर्ष में किसी न किसी रूप में आयोजित होता है। विष्णु धर्मसूत्र में कहा गया है कि पितरों की आत्मा की शांति के लिए एवं स्व स्वास्थ्यवर्द्धन तथा सर्वकल्याण के लिए तिल के छः प्रयोग पुण्यदायक एवं फलदायक होते हैं- (1) तिल जल स्नान, (2) तिल दान, (3) तिल भोजन, (4) तिल जल अर्पण, (5) तिल आहुति, (6) तिल उडटन मर्दन। निष्कर्ष यह कि सूर्य-संस्कृति में मकर संक्रांति का पर्व ब्रह्मा, विष्णु, महेश, गणेश, आद्यशक्ति और सूर्य की आराधना-उपासना का पावन व्रत है, जो तन-मन-आत्मा को शक्ति प्रदान करता है।

संक्रांति 14 जनवरी को ही क्यों आती है?

सूर्य भगवान का मकर राशि में प्रवेश अध्यात्म, खगोल विज्ञान और ज्योतिष शास्त्र के स्तरों पर अतिविशिष्ट पर्व माना जाता है। वर्ष की अन्य तिथियों व पर्वों में शायद ही ऐसी तिथि होगी जो सभी स्तर पर पूजनीय हो। तिथियों का क्षय हो, तिथियां घट-बढ़ जाएं, अधिक मास का पवित्र महीना आ जाए परंतु मकर संक्रांति 14 जनवरी को ही आती है। इसी दिन से सूर्यदेव का उतरायण में प्रवेश माना जाता है। खगोल विज्ञान के अनुसार उतरायण सूर्य की छः मास की उस अवधि को कहते हैं जिसमें सूर्य की गति उत्तर अर्थात् कर्क रेखा की ओर होती है। यानी मकर रेखा से उत्तर की ओर सूर्य भ्रमण करता है। छः माह बाद दक्षिणायन में सूर्य की गति कर्क रेखा से दक्षिण मकर रेखा की ओर होती है। सूर्य आध्यात्मिक स्तर पर आत्माकाक, आत्मचिंतन एवं आत्मोन्नाति करने वाला यह माना जाता है। पुरा सौरमंडल सूर्य से ऊर्जा प्राप्त करता है। बिना सूर्य सौरमंडल की कल्पना करना असंभव है। सूर्य आरोग्य एवं चेतनाशक्ति के देवता हैं। सूर्य ही आयुष्मान योग देने में समर्थ है। चंद्रमा की तरह सूर्य एक राशि में सवा दो दिन नहीं रहते। वे प्रत्येक नक्षत्र में लगभग 14 दिन से थोड़े से कम समय के लिए भ्रमण करते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मकर राशि में जब सूर्य का उतराषाढ़ा नक्षत्र में प्रवेश होता है, उन दिनों जो सूर्य की ऊर्जा निकलती है, वह अध्यात्म से अपेक्षाकृत अधिक सराबोर रहती है। उतराषाढ़ा ज्योतिष के कुल 27 नक्षत्रों में से इक्कीसवां नक्षत्र है। उतराषाढ़ा स्वयं सूर्य का नक्षत्र है क्योंकि वे स्वयं इस नक्षत्र के स्वामी हैं। इन्हीं कारणों से मकर संक्रांति के दिन स्नान, ध्यान, पूजा-पाठ, देव-स्मरण, मंत्रोच्चारण, मंत्र सिद्धि का महत्व बताया गया है। मंत्रोच्चारण के साथ पवित्र नदियों और सरोवरों में स्नान को विशेष पावन माना गया है। आज से नहीं, कम से कम महाभारत काल से तो निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि उतरायण सूर्य के दर्शन को मोक्षदायी माना गया है। शास्त्रों और पुराणों में प्रामाणिक संदर्भ हैं कि श्री हरि, भगवान विष्णु स्वयं ही सूर्य का रूप धारणकर ब्रह्मंड को आलोकित किए हुए हैं। महाभारत के विशिष्ट पात्र भीष्म पितामह शर-शय्या पर लेटकर भी मृत्यु का वरण करने के लिए सूर्य के उतरायण होने की प्रतीक्षा कर रहे थे। भारतीय संस्कृति में उतरायण के सूर्य के इससे बड़े महत्व का उदाहरण और क्या हो सकता है। वैदिक ऋचाओं और मंत्रों के सतत उच्चारण से हमारा शारीरिक तंत्र झंकृत हो उठता है और शनैः-शनैः आध्यात्मिक ऊर्जा संचित होती रहती है जो सद्गुणों के विकास और फैलाव में कारगर सिद्ध होती है। ऋषि-मुनियों के पास यही तो ऊर्जा रहती है। मंत्रों के उच्चारण की शुद्धता से शक्ति पैदा होती है, इसे अब वैज्ञानिक भी मानने लगे हैं। तुलसीदासजी ने भी कहा है कि ‘राम अतक्ख्य बुद्धि, मन, बानी’। तर्क जड़ है इसलिए उसके जरिए चेतन्य का चिंतन असंभव है। इसलिए सूर्य का मकर राशि और विशेष रूप से उतराषाढ़ा नक्षत्र में भ्रमण पुरायों की राशि को प्रदान करने वाला है। आत्मशुद्धि के लिए यह समय अनुशंसित किया गया है। कोई आश्चर्य नहीं कि मकर संक्रांति को स्नान के लिए गंगा और गंगा सागर में जल आस्था का सैलाब उमड़ पड़ता है। विश्व चर्चित है इस आस्था के पर्व से। इस पर्व में अध्यात्म, खगोल विज्ञान और ज्योतिष शास्त्र तीनों की ही विशेषताएं समाविष्ट हैं, इसलिए यह पर्व का पर्व कहा जा सकता है।



चन्द्रमा पर आधारित पंचांग के अनुसार जब सूर्य कर्क रेखा से मकर रेखा पर आ जाता है तब उसे सूर्य उतरायण कहा जाता है। पौष माह के मध्य में और आधुनिक पंचांग के अनुसार 14 जनवरी के दिन पड़ता है। सूर्य के एक राशि से दूसरी राशि में आने और जाने को संक्रांति कहते हैं। पूरे भारतवर्ष में यह त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता रहा है। पंजाब में लोहड़ी,उत्तर भारत में मकर-संक्रांति, दक्षिण में पोंगल,पूर्वीय पर्वतीय भारत में बिहू के रूप में मनाया जाता है। लोग इस दिन को तिल और खिचड़ी संक्रांति भी कहते हैं क्योंकि इस दिन के ये प्रशिद्ध पकवान हैं। यह त्यौहार हिन्दू लोगों के लिए बहुत ही शुभ दिन है और इस दिन लोग सुबहे सूर्य निकलने से पूर्व ही ही स्नान करते हुए ही सूर्य देवता की पुजा करते हैं और संपूर्ण भारत में हिन्दू लोग भारी संख्या में पवित्र नदिया में स्नान करते हैं और गरीबों के लिए दान और भोजन का प्रबंध करते हैं

तिल संक्रांति

देश भर में लोग मकर संक्रांति के पर्व पर अलग-अलग रूपों में तिल, चावल, उड़द की दाल एवं गुड़ का सेवन करते हैं। इन सभी सामग्रियों में सबसे ज्यादा महत्व तिल का दिया गया है। इस दिन कुछ अन्य चीज भले ही न खाई जाएं, किन्तु किसी न किसी रूप में तिल अक्षय खाना चाहिए। इस दिन तिल के महत्व के कारण मकर संक्रांति पर्व को तिल संक्रांति के नाम से भी पुकारा जाता है। तिल के गोल-गोल लट्ठ इस दिन बनाए जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि तिल की उत्पत्ति भगवान विष्णु के शरीर से हुई है तथा कपरीक उपादों का प्रयोग सभी प्रकार के पापों से मुक्त करता है; गर्मी देता है और शरीर को निरोग रखता है। मकर संक्रांति में जिन चीजों को खाने में शामिल किया जाता है, वह पौष्टिक होने के साथ ही साथ शरीर को गर्म रखने वाले पदार्थ भी है।

सूर्य के उतरायण होने का पर्व

जितने समय में पृथ्वी सूर्य के चारों ओर एक चक्कर लगाती है, उस अवधि को सौर वर्ष कहते हैं। पृथ्वी का गोलाई में सूर्य के चारों ओर घूमना क्रान्तिवक्र कहलाता है। इस परिधि चक्र को बँटकर बारह राशियाँ बनी हैं। सूर्य का एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करना संक्रांति कहलाता है। इसी प्रकार सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने को मकर संक्रांति कहते हैं। सूर्य का मकर रेखा से उत्तरी कर्क रेखा की ओर जाना उतरायण तथा कर्क रेखा से दक्षिणी मकर रेखा की ओर जाना दक्षिणायन है। उतरायण में दिन बड़े हो जाते हैं तथा रातें छोटी होने लगती हैं। दक्षिणायन में ठीक इसके विपरीत होता है। शास्त्रों के अनुसार उतरायण देवताओं का दिन तथा दक्षिणायन देवताओं की रात होती है। वैदिक काल में उतरायण को देवयान तथा दक्षिणायन को धितृयान कहा जाता

कैसे मनाएं संक्रांति पर्व

मकर संक्रांति को सूर्य के संक्रमण का त्योहार माना जाता है। एक जगह से दूसरी जगह जाने अथवा एक-दूसरे का मिलान ही संक्रांति होती है। सूर्य जब धनु राशि से मकर पर पहुँचता है तो मकर संक्रांति मनाई जाती है। राशि परिवर्तन – सूर्य के राशि परिवर्तन को संक्रांति कहते हैं। यह परिवर्तन मास में एक बार आता है। सूर्य के धनु राशि से मकर राशि पर जाने का महत्व इसलिए अधिक है कि इस समय सूर्य दक्षिणायन से उतरायण हो जाता है। इस तरह मनाए संक्रांति ●इस दिन पत्र-काल उबटन आदि लगाकर तीर्थ के जल से मिश्रित जल से स्नान करें। ●यदि तीर्थ का जल उपलब्ध न हो तो दूध, दही से स्नान करें।●तीर्थ स्थान या पवित्र नदियों में स्नान करने का महत्व अधिक है।●स्नान के उपरांत नित्य कर्म तथा अपने आराध्य देव की आराधना करें।●पुण्यकाल में दांत मॉजना, कटोर बोलना, फसल तथा वृक्ष का काटना, गाय, भैस का दूध निकालना व मेष्रुन काम विषयक कार्य कदापि नहीं करना चाहिए।●इस दिन पतंग उड़ाए जाने का विशेष महत्व है। पुण्य पर्व है संक्रांति – उतरायण देवताओं का अयन है। यह पुण्य पर्व है। इस पर्व से शुभ कार्य की शुरुआत होती है। उतरायण में मृत्यु होने से मोक्ष प्राप्ति की संभावना रहती है। पूज की राशि में पिता का प्रवेश पुण्यवर्द्धक होने से साथ-साथ पापों का विनाशक है। सूर्य पूर्व दिशा से उदित होकर 6 महीने दक्षिण दिशा की ओर से तथा 6 महीने उत्तर दिशा की ओर से होकर पश्चिम दिशा में अस्त होता है। उतरायण का समय देवताओं का दिन तथा दक्षिणायन का समय देवताओं की रात्रि होती है, वैदिक काल में उतरायण को देवयान तथा दक्षिणायन को धितृयान कहा गया है। मकर संक्रांति के बाद माघ मास में उतरायण में सभी शुभ कार्य किए जाते हैं।

सम्मान और स्नेह का प्रतीक लोहड़ी

पंजाब एक ऐसा राज्य है, जहाँ हर दिन कोई न कोई त्यौहार मनाया जाता है। पंजाबी दुनिया में जहाँ अपनी अलग पहचान रखते हैं, वहीं पंजाब के त्यौहारों की भी अपनी एक अलग जगह है। वर्ष की सभी ऋतुओं पतझड़, सावन और बसंत में कई तरह के छोटे-बड़े त्यौहार मनाए जाते हैं, जिन में से एक प्रमुख त्यौहार लोहड़ी है जो बसंत के आगमन के साथ 13 जनवरी, पौष महीने की आखरी रात को मनाया जाता है। इसके अगले दिन माघ महीने की संक्रांति को माघी के रूप में मनाया



था। मकर संक्रांति के दिन यज्ञ में दिये हव्य को ग्रहण करने के लिए देवता धरती पर अवतरित होते हैं। महाराष्ट्र में ऐसा माना जाता है कि मकर संक्रांति से सूर्य की गति तिल-तिल बढ़ती है, इसलिए इस दिन तिल के विभिन्न मिष्ठान बनाकर एक-दूसरे का विनम्रित करते हुए शुभ कामनाएँ देकर यह त्यौहार मनाया जाता है।

आभार प्रकट करने का दिन

पंजाब, बिहार व तमिलनाडु में यह समय फसल काटने का होता है। कृषक मकर संक्रांति को आभार दिवस के रूप में मनाते हैं। पके हुए गेहूँ और धान को स्वर्णिम आभा उनके अथक मेहनत और प्रयास का ही फल होती है और यह सम्भव होता है, भगवान व प्रकृति के आशीर्वाद से। विभिन्न परम्पराओं व रीतिरिवाजों के अनुसार पंजाब एवं जम्मू-कश्मीर में लोहड़ी नाम से मकर संक्रांति पर्व मनाया जाता है। सिन्धी समाज एक दिन पूर्व ही मकर संक्रांति में लाल लोही के रूप में मनाता है। तमिलनाडु में मकर संक्रांति पोंगल के नाम से मनाया जाता है, तो उत्तर प्रदेश और बिहार में खिचड़ी के नाम से मकर संक्रांति मनाया जाता है। इस दिन कहीं खिचड़ी तो कहीं खुद्दादही का भोजन किया जाता है तथा तिल के लट्ठ बनाये जाते हैं।

खिचड़ी संक्रांति

चावल व मूंग की दाल को पकाकर खिचड़ी बनाई जाती है। इस दिन खिचड़ी खाने का प्रचलन व विधान है। घी व मसालों में पकी खिचड़ी स्वादिष्ट, पाचक व ऊर्जा से भरपूर होती है। इस दिन से शरद ऋु क्षीण होनी प्रारम्भ हो जाती है। बसन्त के आगमन से स्वास्थ्य का विकास होना प्रारम्भ होता है। इस दिन

मकर संक्रान्ति भारत के प्रमुख त्यौहारों में से एक है। यह पर्व प्रत्येक वर्ष जनवरी महीने में समस्त भारत में मनाया जाता है। इस दिन से सूर्य उतरायण होता है, जब उत्तरी गोलार्ध सूर्य की ओर मुड़ जाता है। परम्परा से यह विश्वास किया जाता है कि इसी दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है। यह वैदिक उत्सव है। इस दिन खिचड़ी का भोग लगाया जाता है। गुड़-तिल, रेवड़ी, गजक का प्रसाद बाँटा जाता है। इस त्यौहार का सम्बन्ध प्रकृति, ऋु परिवर्तन और कृषि से है। ये तीनों चीजें ही जीवन का आधार हैं। प्रकृति के कारक के तौर पर इस पर्व में सूर्य देव को पूजा जाता है, जिन्हें शास्त्रों में भौतिक एवं अभौतिक तत्वों की आत्मा कहा गया है। इन्हीं की स्थिति के अनुसार ऋु परिवर्तन होता है और धरती अनाज उत्पान्न करती है, जिससे जीव समुदाय का भरण-पोषण होता है।

दान-पुण्य का पर्व मकर संक्रांति

गंगास्नान व सूर्य पूजा

पवित्र गंगा में नहाना व सूर्य उपासना संक्रांति के दिन अत्यन्त पवित्र कर्म माने गए हैं। संक्रांति के पवन अवसर पर हजारों लोग इलाहाबाद के त्रिवेणी संगम, वाराणसी में गंगाघाट, हरियाणा में कुरुक्षेत्र, राजस्थान में पुष्कर, महाराष्ट्र के नासिक में गोदावरी नदी में स्नान करते हैं। गुड़ व श्वेत तिल के पकवान सूर्य को अर्पित कर सभी में बाँटे जाते हैं। गंगासागर में पवित्र स्नान के लिए इन दिनों श्रद्धालुओं की एक बड़ी भीड़ उमड़ पड़ती है।

पुण्यकाल के शुभारम्भ का प्रतीक

मकर संक्रांति के आगमी दिन जब सूर्य की गति उत्तर की ओर होती है, तो बहुत से पर्व प्रारम्भ होने लगते हैं। इन्हीं दिनों में ऐसा प्रतीत होता है कि वातावरण व पर्यावरण स्वयं ही अच्छे होने लगे हैं। कहा जाता है कि इस समय जन्मे शिशु प्रगतिशील विचारों के, सुसंस्कृत, विनम्र स्वभाव के तथा अच्छे दिवाचरों से पूर्ण होते हैं। यही विशेष कारण है, जो सूर्य की उतरायण गति को पवित्र बनाते हैं और मकर संक्रांति का दिन सबसे पवित्र दिन बन जाता है।

मकर संक्रांति का धार्मिक महत्व

जिस प्रकार तिल और गुड़ के मिश्रण से मीठे-मीठे लट्ठ बनते हैं उसी प्रकार विविध रंगों के साथ ज़िंदगी में भी खुशियों की मिठास बनी रहें। जीवन में नित नई ऊर्जा का संचार ही और पलंग की तरह ही सभी सफ़लाता के शिखर तक पहुँचे। कुछ ऐसी ही शुभकामनाओं के साथ सूर्य पर्व मकर संक्रांति पूरी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। मकर संक्रांति के शुभ मुहूर्त में स्नान, दान व पुण्य का शुभ समय का विशेष महत्व है। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर गुड़ व तिल लगाकर नर्मदा में स्नान करना लाभदायी होता है। इसके पश्चात दान संक्रांति में गुड़, तेल, कंकाल, फल, छता दान से जातकों को लाभ मिलेगा। जातकों को गुड़ व तिल से स्नान करना व दान-पुण्य करना लाभदायक रहता है।
● पुराणों के अनुसार मकर संक्रांति के दिन सूर्य अपने पुत्र शनि के घर एक महीने के लिए जाते हैं, क्योंकि मकर राशि का स्वामी शनि है। हालांकि ज्योतिषीय दृष्टि से सूर्य और शनि का तालमेल संभव नहीं, लेकिन इस दिन सूर्य खुद अपने पुत्र के घर जाते हैं। इसलिए पुराणों में यह दिन पिता-पुत्र के संबंधों में निकटता की शुरुआत के रूप में देखा जाता है।
● इस दिन भगवान विष्णु ने असुरों का अंत करके युद्ध समाप्ति की घोषणा की थी। उन्होंने सभी असुरों के सिरों को मंदार पर्वत में दबा दिया था। इसलिए यह दिन बुराइयों और नकारात्मकता को खत्म करने का दिन भी माना जाता है।
● एक अन्य कथा के अनुसार गंगा को धरती पर लाने वाले महाराज भगीरथ ने अपने पूर्वजों के लिए इस दिन तर्पण किया था। उनका तर्पण स्वीकार करने के बाद इन्हें दिन गंगा समुद्र में जाकर मिल गई थी। इसलिए मकर संक्रांति पर गंगा सागर में मेला लगता है।



जबर्न शादी करना चाहता था, पर उन दोनों की सगाई कहीं और हुई थी और उस मुगल शासक के डर से उनके भावी ससुराल वाले शादी के लिए तैयार नहीं थे। इस मुसीबत की घड़ी में दुल्ल भट्टी ने ब्राहमण की मदद की और लड़के वालों को मना कर एक जंगल में आग जला कर सुंदरी और मुंदरी का व्याह करवाया। दुले ने खुद ही उन दोनों का कन्यादान किया। कहते हैं दुले ने शगुन के रूप में उनको शकर दी थी। दुल्ल भट्टी की जन्म के खिलाफ मानवता की सेवा को आज भी लोग याद करते हैं और उस रात को लोहड़ी के रूप में सत्य और साहस की जुलूस पर जीत के तौर पर मनाते हैं। इस त्यौहार का संबंध फसल से भी है, इस समय गेहूँ और सरसों की फसलें अपने योगन पर होती हैं, खेतों में गेहूँ, छोले और सरसों जैसी फसलें लहराती हैं। लोहड़ी के

दिन गाँव के लड़के-लड़कियाँ अपनी-अपनी टोलियाँ बना कर घर-घर जा कर लोहड़ी के गाने गाते हुए लोहड़ी गाँगते हैं। इन गीतों में दुल्ल भट्टी का गीत सुंदर, मुंदरिये हो,तेरा कीन विचारा हो... , दे माई लोहड़ी, तेरी जौधे जोड़ी , दे माई पाथी तेरा पुत चड़ेगा हाथी आदि प्रमुख हैं। लोग उन्हें लोहड़ी के रूप में गुड़, रेवड़ी, मूँगफली, तिल या फिर पैसे भी देते हैं। यह टोलियाँ रात को अग्नि जलाने के लिए घरों से लकड़ियाँ, उपले आदि भी इकट्ठा करती हैं, और रात को गाँव के लोग अपने मुख्हे में आग जला कर गीत गाते, भांगड़ा-गिद्धा करते, गुड़, मूँगफली, रेवड़ी, धानी खाते हुए लोहड़ी मनाते हैं। अग्नि में तिल डालते हुए ईश्वर आए दलियद जाए, दलियद दी जड़ बुरेले पाए बोलते हुए अच्चे स्वास्थ्य की कामना करते हैं।



बस्तर अंचल से सतत संवाद, विकास और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार से मजबूत होगा जनविश्वास : मुख्यमंत्री साय

बस्तर के समग्र विकास को लेकर मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

डबल इंजन सरकार में बस्तर का हो रहा है सर्वांगीण विकास, विशेष केंद्रीय सहायता के लिए ठोस पहल

नक्सल उन्मूलन के साथ विकास के रोलमैप पर हुई व्यापक चर्चा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के विकास में लंबे समय से सबसे बड़ी बाधा रहे नक्सलवाद का अंत अब निर्णायक चरण में पहुंच चुका है।प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के सशक्त नेतृत्व तथा सुरक्षाबलों के अदम्य साहस के कारण नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति बहाल हो रही है। यह सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है कि नक्सलवाद की



हिंसक विचारधारा फिर कभी सिर न उठा सके और इसके लिए बस्तर अंचल से सतत संवाद, विकास कार्यों और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के माध्यम से लोगों का विश्वास और अधिक मजबूत किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में बस्तर अंचल के समग्र विकास पर केंद्रित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि डबल इंजन की सरकार का स्पष्ट लक्ष्य बस्तर का सर्वांगीण और संतुलित विकास सुनिश्चित करना है।

राज्य और केंद्र सरकार मिलकर सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ बस्तर को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि आगामी तीन वर्षों के लिए बस्तर के विकास का एक व्यापक एक्शन प्लान तैयार कर मिशन मोड में उसका क्रियान्वयन किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने तथा संचिबों को बस्तर क्षेत्र का दौरा कर योजनाओं की जमीनी प्रगति की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नक्सलवाद की समाप्ति के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य,

रोजगार, सड़क, पेयजल, बिजली और संचार जैसी मूलभूत सुविधाओं का तीव्र गति से विस्तार अत्यंत आवश्यक है, ताकि दूरस्थ से दूरस्थ क्षेत्रों तक विकास की रोशनी पहुंचे और शासन-प्रशासन पर लोगों का भरोसा सुदृढ़ हो। बस्तर ओलंपिक और बस्तर पंडुम जैसे आयोजनों में स्वस्फूर्त जनभागीदारी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बस्तर के लोग शांति और विकास के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। बैठक में पेयजल, विद्युतीकरण और मोबाइल कनेक्टिविटी की गहन समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने प्लानाइड प्रभावित क्षेत्रों में स्थायी समाधान के लिए सतही जल स्रोतों से आपूर्ति व्यवस्था सुनिश्चित करने, शेष गांवों के शीघ्र विद्युतीकरण तथा दूरस्थ इलाकों में मोबाइल टावरों की स्थापना में तेजी लाने के निर्देश दिए।

कार में गांजा परिवहन करते 25 किलो 935 ग्राम गांजा के साथ 2 आरोपी गिरफ्तार

अवैध गांजा परिवहन पर थाना सरिया की लगातार बड़ी कार्यवाही

सारंगढ़ बिलाईगढ़। जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ के पुलिस अधीक्षक महोदय आंजनेय वाण्य के द्वारा जिले के सभी थाना/चौकी प्रभारियों को जुआ, सट्टा, शराब, अवैध मादक पदार्थ गांजा में संलिप्त व्यक्तियों पर कड़ी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित करने पर अति. पुलिस अधीक्षक अविनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी प्रमोद यादव के कुशल नेतृत्व मे सरिया पुलिस को



25किलो 935 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ 02 आरोपी को

गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है। विवरण इस प्रकार है कि दिनांक

12/01/2026को दौरान पेट्रोलिंग जरिये मुखबिर सुचना मिला कि एक मारुति स्विफ्ट डिजायर कार का चालक उड़ीसा से गांजा लेकर सरिया तरफ जा रहा है सूचना पर सरिया थाना के सामने मेन रोड में घेराबंदी कर कार को पकड़ा गया। कार चालक से नाम पता पूछने पर अपना नाम *शीतल प्रकाश पिता संतोष कुमार पाठक सा मेड़की थाना मऊरानीपुर जिला झांसी (उत्तरप्रदेश) तथा ड्राइवर के बगल शीट में बैठे व्यक्ति ने अपना नाम *कल्लू कैंबट पिता ध्वराम केवट मोहन आजादपुरा थाना कोतवाली जिला कटनी (मध्यप्रदेश) का होना बताया। गवाहों के समक्ष स्विफ्ट डिजायर कार की तलाशी

लेने पर कार में सफेद रंग के प्लास्टिक बोरी में भरा 25 पैकेट में 25 किलो 935 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा मिला। आरोपियों से पूछताछ करने पर जिला सोनपुर उड़ीसा से गांजा लेकर कटनी , झांसी तरफ बिक्री हेतु ले जाना बताया किआरोपियों के कब्जे से 25 किलो 935 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा, 01नग स्विफ्ट डिजायर कार , 01 नग लावा कंपनी के मोबाइल को जप्त कर आरोपियों के खिलाफ थाना सरिया मे अपराध क्रमांक 10/2026 धारा 20 बी एनडीपीएस एक्ट पंजीबद्ध कर दोनों आरोपी को विधिवत् गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

एक ट्रक सहित 763 बोरी धान जळ : अवैध धान परिवहन का मामला

रायपुर। सकी जिले में अवैध धान परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण हेतु प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्री अमृत विकास तोपनो के निर्देशानुसार राजस्व विभाग की टीम ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए ट्रक सहित बड़ी मात्रा में अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा धान जळ किया है।

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) डभरा के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम द्वारा 13 जनवरी 2026 की रात्रि में तहसील डभरा अंतर्गत ग्राम केनाभाठा में एक ट्रक को रोककर जांच की गई। जांच के दौरान ट्रक में लगभग 600 बोरी धान अवैध रूप से परिवहन करते हुए पाया गया। ट्रक को जळ कर लिया गया है। इसी तरह तहसील बाराद्वार क्षेत्र में तहसीलदार एवं पटवारी द्वारा 120 बोरी धान का अवैध परिवहन पकड़ा गया, जिस पर संबंधितों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की गई। वहीं ग्राम मुरलीडीह में लगभग 43 बोरी धान का अवैध परिवहन पाए जाने पर वाहन को जळ कर थाना जैजैपुर में सुपुर्द किया गया।

पिथौरा वन परिक्षेत्र में इमारती सागौन लकड़ी के अवैध भण्डारण पर कार्यवाही

पिथौरा। महासमुन्द जिला अंतर्गत बसना पिथौरा वन परिक्षेत्र में अवैध सागौन लकड़ी की जसी सतत जारी है। मिली जानकारी के अनुसार बीते दिन बसना में अवैध इमारती लकड़ी पर कार्यवाही पश्चात वन परिक्षेत्र पिथौरा अन्तर्गत ग्राम जम्हर मे 13.01.2025 को मुखबिर की सूचना पर सीताराम चौधरी पिता गणेशराम चौधरी के घर बाड़ी मे तलाशी लेने पर सागौन ईमारती एवं चिरान की जसी किया गया है।

उक्त कार्यवाही में वनअपराध प्रकरण क्रमांक 13417/25 दिनांक 13.01.2026 द्वारा भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 33 एवं लोकसंपत्ति क्षति निवारण अधिनियम 1984 सहित अन्य धाराओं के तहत कार्यवाही किया गया । उक्त कार्यवाही



वनमंडलाधिकारी महासमुंद मंयक पांडेय के निर्देशन में , संयुक्त वनमंडलाधिकारी पिथौरा सुश्री डिम्पी बैस के मार्गदर्शन मे एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी पिथौरा शालिकराम डडसेना के नेतृत्व मे सुबह तड़के से ग्राम जम्हर में सीताराम चौधरी के घर दबिश दिया गया । तलाशी कार्यवाही के दौरान घर एवं बाड़ी में सागौन लट्टा एवं चिरान जप्त किया गया । बाड़ी

में पैरा मे छिपा कर रखे सागौन के गोले लगभग एक सप्ताह पूर्व जंगल से काटकर लाकर रखा गया था । आरोपी ने बताया कि उसे अपनी लड़की की शादी के लिए फर्नीचर बनवाने के लिए मजदूरो से घर से लगे जंगल से सागौन लकड़ी को सांगा से मंगाना स्वीकार किया । ईमारती लकड़ी का मुख्य लगभग एक लाख बत्तीस हजार का है प्रकरण की जांच किया जा रहा है

। इस पूरी कार्यवाही में सहायक परिक्षेत्र अधिकारी पश्चिम पिथौरा ननकुशिया साहू, ललित पटेल, परिसररक्षी जम्हर मो0 रज्जाक, परिसर रक्षी राजाबेरा प्रोतम साहू, शुभम तिवारी, कोकिल कांत दिनाकर,पुष्पा नेताम एवं सुरक्षा श्रमिकों सहित जन प्रतिनिधियों के उपस्थिति मे कार्यवाही कर जप्त वनोपज को काष्ठागार पिथौरा परिवहन किया गया ।

ग्राम कुकुसदा में छापेमार कार्यवाही कर 7.5 लीटर कच्ची महुआ शराब जळ



मुंगेली। जिले में अवैध शराब पर नियंत्रण हेतु कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देश पर आबकारी विभाग की कार्यवाही जारी रहेगी। कार्रवाई में आबकारी विभाग आबकारी विभाग पथरिया द्वारा ग्राम

कुकुसदा में छापेमार कार्यवाही कर 7.5 लीटर कच्ची महुआ शराब जळ किया गया। जिला आबकारी अधिकारी रविशंकर साय ने बताया कि आरोपी ईश्वर भट्ट के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की गैर जमानती धारा 34(1)(क), 34(2) तथा 59(क) के तहत वैधानिक प्रकरण दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया

कि जिले में अवैध शराब एवं अपराधिक गतिविधियों पर सख्त निगरानी रखी जा रही है तथा आगे भी ऐसी कार्रवाई निरंतर लगातार जारी है। इसी तारतम्य में के अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे।

महिला टीचर के घर चोरी, मकान में ताला जड़कर दुर्ग गई थी पीड़ित

उतई। पाटन थाना क्षेत्र के ग्राम बटेना में चोरों ने एक शिक्षिका के सूनूे मकान को निशाना बनाते हुए बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घर का ताला तोड़कर चोरों ने सिर्फ घर से सोना-चांदी और नकदी ले गए, बल्कि पहचान छिपाने के लिए घर में लगे सीसीटीवी कैमरे को भी तोड़ दिया और डीवीआर साथ ले गए। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले को जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार प्राथी चंचल साहू ग्राम बटेना में अपने माता-पिता के साथ रहती हैं और शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला खम्हरिया में शिक्षिका के पद पर कार्यरत हैं। चंचल साहू ने पाटन थाने में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि दिनांक 10 जनवरी को शाम करीब 4 बजे वह अपने माता-पिता के साथ अपनी दीदी के घर धनोय, जिला दुर्ग गई थीं। घर में ताला लगाकर सभी लोग बाहर गए थे। चोरों ने इसी बीच वारदात को अंजाम दिया है। 12 जनवरी की सुबह करीब 7:30 बजे गांव के ही पोषण साहू ने शिक्षिका चंचल साहू को फोन कर सूचना दी कि उनके घर के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ है। सूचना मिलते ही चंचल साहू अपने माता-पिता और जीजा अरुण कुमार साहू के साथ तुरंत ग्राम बटेना स्थित अपने घर पहुंचीं। वहां देखा गया कि मुख्य दरवाजे की कुंडी टूटी हुई थी और घर के अंदर का पूरा सामान बिखरा पड़ा था।

एक वर्ष की अवधि तक दुर्ग सहित छह पड़ोसी जिलों की सीमाओं से बाहर रहने के दिए आदेश

जिला दण्डाधिकारी ने डॉ. दुष्यंत खोसला को किया जिला बदर

दुर्ग। जिला दण्डाधिकारी श्री अभिजीत सिंह ने छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 (ख) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त डॉ. दुष्यंत खोसला को

एक वर्ष की अवधि तक जिले एवं इसके सीमावर्ती जिलों की सीमाओं से बाहर रहने का आदेश दिया है। जिला दण्डाधिकारी श्री सिंह ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के प्रतिवेदन पर अनावेदक के आपराधिक आचरण एवं प्रवृत्ति पर नियंत्रण करने तथा आम जनता में शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु 08 जनवरी 2026 को यह आदेशित किया है। आदेश के अनुसार, अनावेदक डॉ. दुष्यंत खोसला

(पिता हरजिंदर खोसला), निवासी वार्ड नं. 01, अहिंवारा, थाना नंदिनी नगर, जिला दुर्ग को दुर्ग जिला सहित इसके पड़ोसी जिलों रायपुर, बेमेतरा, खैरागढ़-छुईखदान, राजनांदगांव, बालोद एवं धमतरी की सीमाओं से एक सप्ताह के भीतर बाहर जाना होगा। वह आगामी एक वर्ष की अवधि तक बिना अनुमति इन जिलों की सीमाओं में प्रवेश नहीं कर सकेगा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग द्वारा प्रस्तुत

प्रतिवेदन और आपराधिक चार्ट के अनुसार, डॉ. दुष्यंत खोसला (संचालक साई क्लीनिक, अहिंवारा) थाना नंदिनी नगर क्षेत्र का आदतन शिकायती और उपद्रवी व्यक्ति है। उसके विरुद्ध थाना नंदिनी नगर में गाली-गलौज, मारपीट, जान से मारने की धमकी देने और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने जैसे कुल 05 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। जांच में पाया गया कि आरोपी द्वारा प्रतिष्ठित व्यक्तियों और अधिकारियों के विरुद्ध झूठी

शिकायत कर उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है। उसके आतंक के कारण आम जनता भयभीत रहती है और न्यायालय में गवाही देने से कतराती है। पूर्व में की गई प्रतिबंधात्मक कार्यवाहियों का आरोपी पर की गई सकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा। मामले की गंभीरता और लोक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए जिला दण्डाधिकारी ने उसे घोरपक्षीय कार्यवाही करते हुए जिला बदर घोषित किया है।

संक्षिप्त-खबर

यादव महासभा का यादव मिलन समारोह एवं युवक-युवती परिचय सम्मेलन संघ

दुर्ग। दुर्ग नगर यादव महासभा द्वारा 11 जनवरी-2026 दिन रविवार को यादव छात्रावास पचरीपारा वार्ड नंबर-28 दुर्ग में यादव मिलन समारोह,युवक - युवती सम्मेलन का कार्यक्रम हर्षोउल्लास मय संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बच्चों के खेलकूद(कुर्सी दौड़,आलू दौड़,मटका फेड़, रस्सी दौड़, सुईधागा, गोली चम्मच दौड़) तथा मेधावी छात्र-छात्राओं एवं समाज के वरिष्ठजनों का प्रशस्ति पत्र एवं शाल-श्रीफल से सम्मान किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि माननीय गजेन्द्र यादव जी(केबिनेट मंत्री छगणेशसन),विशेष अतिथि माननीय ललित चंद्रकार विधायक दुर्ग ग्रामीण, मान.श्रीमति अल्का बाधमार (महापौर-दुर्ग),माननीय शिवराज राउत जी, राजेश ताम्रकार जी, ममता ओमप्रकाश जी पार्षद, बबीता यादव पार्षद उपस्थित रहे।

कार्यक्रम समापन समारोह के मुख्य अतिथि माननीय बिशन यादव जी अध्यक्ष जिला कोसरिया समाज दुर्ग, राजेंद्र साहू जी, धीरज बाकलीवाल जी पूर्व महापौर दुर्ग, मेधनाथ यादव जी (प्रांताध्यक्ष छगणसर्व समाज संगठन),मन्ना यादव जी,पूरन यादव जी,दुलौरिन बाई यादव जी,पार्षद द्वय लोकाेशवरी ठाकुर, सावित्री दमाहे उपस्थित थे। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में समाज प्रमुख अध्यक्ष अमरसिंह यादव,संरक्षक छोटेलाल यादव,उपाध्यक्ष रणछौर यादव, सचिव दिनेश यादव,कोषाध्यक्ष द्वारिका प्रसाद यादव, ललित यादव,मेधनाथ यादव (प्रांताध्यक्ष छगणसर्व समाज संगठन), भानु प्रताप यादव प्रांताध्यक्ष छगण सर्व समाज संगठन (अधिकारी कर्मचारी प्रकोष्ठ) एवं जिलाध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ दुर्ग,पुनीत यादव,मुकेश यादव, भगवानसिंह यादव,लक्ष्मीचंद यादव,भूपेन्द्र यादव, महिला अध्यक्ष गीता यादव, अनिल यादव,छन्नू लाल यादव,नंदू यादव, नवीन यादव,सूरज यादव,कुमार यादव,ताराचंद यादव,अशोक यादव,कमल यादव की अहम भूमिका रही। उक्त जानकारी भानु प्रताप यादव मीडिया प्रभारी यादव महासभा दुर्ग द्वारा दिया गया।

इंदिरा मार्केट में सिंगलयुज प्लास्टिक के खिलाफ निगम की कार्रवाई, 10,500 का जुर्माना



दुर्ग। नगर पालिक निगम द्वारा शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से व्यापारियों एवं नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है। इसके बाद भी प्रतिष्ठान एवं फ्ल टेला वाले प्लास्टिक में सामग्री डालकर विक्रय कर रहे हैं। प्लास्टिक स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक होता है और नष्ट नहीं होता है, फिर भी इसका उपयोग लगातार किया जा रहा है। आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर बाजार विभाग एवं अतिक्रमण अधिकारी प्रमोद कुमार के नेतृत्व में टीम द्वारा लगातार कार्यवाही करते हुए समझास दिया जा रहा है। आज इंदिरा मार्केट क्षेत्र के प्रतिष्ठानों एवं फ्ल टेला में पहुंचकर जांच किया गया।

इनके पास से प्रतिबंधित सिंगल युज प्लास्टिक पाये जाने पर कार्यवाही की गई एवं प्लास्टिक को जप्त किया गया। इन दुकानों पर किया गया कार्यवाही लगभग 5 दुकानों से 10500 रूपये की चालानी कार्यवाही किया गया है। अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर कुमार,बाजार विभाग ईश्वर वर्मा व शशिकांत यादव यह भी समझाया गया है कि दुबारा जांच के दौरान प्लास्टिक पाया जाता है, तो अनुज्ञप्ति लाईसेंस निरस्त किया जाएगा।नगर निगम द्वारा सिंगलयुज प्लास्टिक रखने वाले दुकानों पर निरन्तर कार्यवाही करेगी।

मतदाता सूची में त्रुटि सुधार हेतु जिले में 82 रथानों पर जारी है नोटिस सुनवाई, घर बैठे ऑनलाइन पोर्टल पर भी कर सकते हैं सत्यापन

दुर्ग। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार, अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के संदर्भ में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में जिले में निर्वाचक नामावली को शुद्ध और त्रुटिरहित बनाने की प्रक्रिया जारी है। इस संबंध में जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 23 दिसंबर 2025 को किया गया था। इसके अंतर्गत 'नो मैपिंग' तथा 'लॉजिकल विसंगतियों/त्रुटियों' (लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी/एरर) ' वाले मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए हैं।

वर्तमान में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा इन नोटिसों पर सुनवाई का कार्य प्रतिदिन किया जा रहा है। जिले में विधानसभावार कुल 82 अलग-अलग स्थान निर्धारित किए गए हैं, जहाँ 05 जनवरी 2026 से निरंतर सुनवाई की प्रक्रिया चल रही है। सुनवाई के दौरान मतदाताओं से त्रुटि सुधार हेतु आवश्यक प्रमाणक दस्तावेज लेकर सत्यापन का कार्य किया जा रहा है। मतदाताओं की सुविधा के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने एक महत्वपूर्ण ऑनलाइन विकल्प भी प्रदान किया है। इस ऑनलाइन माध्यम का उपयोग कर मतदाता स्वयं अपने दस्तावेजों को अपलोड कर सत्यापन की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं, जिससे उन्हें व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं होगी।